

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच



वर्ष- 18 अंक - 40 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 23 नवम्बर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

लखनऊ से लापता दो मासूम बेमेतरा में मिलेः चॉकलेट-समोसे का लालच देकर गाड़ी में बैठाया

बेमेतरा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुए दो नाबालिग बच्चे छत्तीसगढ़ के बेमेतरा में सुरक्षित मिल गए हैं। अज्ञात बदमाशों ने दोनों बच्चों को खाने-पीने की चीजों का लालच देकर वाहन में बैठा लिया था और रास्ते भर उनसे मारपीट की थी। हालांकि, बच्चों ने अपनी समझदारी से बस स्टैंड के पास मौका पाकर भागकर अपनी जान बचा ली। इसके बाद वे अपने रिश्तेदार के घर पहुंचे, जहां से परिजनों ने तुरंत स्थानीय पुलिस प्रशासन को सूचित किया। पीड़ित परिजनों के मुताबिक लखनऊ में रहकर मजदूरी करने वाले परिवारों के दो बच्चे कपड़ा दुकान की ओर जा रहे थे। इसी दौरान चार अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हें चॉकलेट और समोसा खिलाने का लालच दिया। इसके बाद आरोपी दोनों बच्चों को जबरन काले शीशे वाले एक वाहन में बैठाकर बेमेतरा की दिशा में ले आए। यात्रा के दौरान आरोपियों ने बच्चों के साथ डंडे से मारपीट भी की। बेमेतरा पहुंचने पर दोनों मासूमों ने सूझबूझ दिखाई और शौचालय जाने का बहाना बनाकर गाड़ी रुकवाई। बस स्टैंड के समीप वाहन से उतरते ही दोनों वहां से तेजी से भाग निकले। इनमें से एक बालक वार्ड संख्या पांच मोहभाठा स्थित अपनी बड़ी मां के घर पहुंचा और पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी।

सूरजपुर में बैंक खाते से 113 करोड़ का संदिग्ध लेनदेन, 150 अकाउंट होल्डर्स से साइबर ठगी

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में एक बैंक खाते से 113 करोड़ 32 लाख रुपए से ज्यादा के संदिग्ध लेनदेन का खुलासा हुआ है। यह रकम देश के 21 राज्यों के 150 लोगों से जुड़ी साइबर ठगी की शिकायतों में दर्ज है। पुलिस ने मामले में अमन पासवान और जिशान खान को गिरफ्तार किया है। पुलिस पहले ही मुख्य आरोपी देवनारायण चक्रधारी को गिरफ्तार कर चुकी है। जांच में पता चला कि 23 से 29 अप्रैल 2025 के बीच इसी खाते में करीब 13 करोड़ रुपए की ठगी की रकम आई थी। इसके बदले आरोपियों को 13 लाख रुपए कमीशन मिला था। रकम निकालने के लिए चेक और एटीएम का इस्तेमाल किया गया। कमीशन की रकम तीनों आरोपियों में बांटी गई। अब पुलिस ठगी की रकम के लेनदेन और इसमें शामिल दूसरे लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

हाथी ने हफ्ते भर में 2 महिलाओं को कुचला, दोनों की मौत

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में हाथियों के हमले में एक सप्ताह के भीतर 2 महिलाओं की मौत हो गई। वहीं रविवार को हाथी को देखकर भागते समय किसान महेश अगरिया घायल हो गया। जिले में 2 अलग-अलग हाथी दल सक्रिय हैं। जून में झुंड से बिछड़ा अकेला दंतैल हाथी लोगों पर हमला कर रहा है। वहीं चार हाथियों का दल खेतों में फसल रौंदने, धान के ढेर उजाड़ने और मकानों को नुकसान पहुंचा रहा है। इसी 4 हाथियों के दल ने रविवार रात केसमरदा गांव में उत्पात मचाया। हाथियों ने बैगा परिवारों के घरों में तोड़फोड़ की। जबकि पंडरिया, तरेगांव और कवर्धा वन परिक्षेत्र के आसपास भी हाथियों की मौजूदगी है। वन विभाग ने 20 गांवों में अलर्ट जारी कर मुनादी कराई है।

घने कोहरे से लिपटा भिलाई शहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सोमवार की सुबह मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। पूरा शहर घने कोहरे की सफेद चादर में लिपटा नजर आया। चारों तरफ धुंध छाई रही। हालात ऐसे थे कि सड़कों पर चलने वाली गाड़ियां भी कोहरे में ओझल हो गईं। शहर का नजारा देखकर ऐसा लग रहा था, मानो भिलाई नहीं, कश्मीर हो।

पिछले दो दिन हुई बारिश के बाद सोमवार को भी आसमान में बादल छाए रहे। सुबह से ही घने कोहरे ने पूरे शहर को अपनी आगोश में ले लिया। विजिविलिटी इतनी कम हो गई कि कुछ मीटर की दूरी पर भी देखना मुश्किल हो रहा था। सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने बदले मौसम का जमकर आनंद लिया। स्थानीय लोगों का कहना था कि कोरबा में लंबे समय बाद इतना घना कोहरा देखने को मिला है। ठंडी हवाओं और धुंध के बीच लोग चाय की चुस्कियों के साथ मौसम का लुत्फ उठाते नजर आए। कई लोगों ने इस खूबसूरत नजारे को अपने मोबाइल कैमरे में भी कैद किया।



खेल गतिविधियों पर भी पड़ा कोहरे का असर

कोहरे का असर सुबह क्रिकेट, फुटबॉल और अन्य खेल खेलने पहुंचे खिलाड़ियों को मैदान में दृश्यता कम होने के कारण अभ्यास शुरू करने में देरी हुई। कोहरे के कारण बसों और ट्रेनों की आवाजाही पर भी हल्का असर पड़ा। सड़कों पर वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर सफर करना पड़ा। लगातार बारिश के बाद वातावरण में नमी बढ़ने से कोहरा घना हो गया। सुबह आठ बजे के बाद भी शहर में धुंध छाई रही। हालांकि, धीरे-धीरे धूप निकलने के साथ कोहरा छंटने लगा।

भारत की बढ़ती ताकत का दुनिया ने माना लोहा एशिया पावर इंडेक्स में तीसरा शक्तिशाली देश

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पॉपुलारिटी भी बढ़ी, एशिया के नेताओं में बढ़ा कद

नईदिल्ली। लोवी इंस्टीट्यूट के 'एशिया पावर इंडेक्स' के अनुसार, भारत ने एशिया के तीसरे सबसे शक्तिशाली देश के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। 2026 में भारत का कुल पावर स्कोर बढ़कर 40.5 अंक हो गया है, जबकि इसकी सापेक्ष आर्थिक क्षमता में कुछ गिरावट आई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस साल भारत का इस क्षेत्र में प्रभाव बढ़ा है। इसके पीछे कूटनीतिक स्थिति, रक्षा संबंधों, सांस्कृतिक पहुंच और भविष्य के संसाधनों में हुआ सुधार मुख्य कारण रहे। अमेरिका और चीन क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर बने हुए हैं।

भारत का आर्थिक क्षमता स्कोर थोड़ा गिरकर 26.4 अंक हो गया, लेकिन फिर भी वह इस श्रेणी में तीसरे स्थान पर बना रहा। लोवी इंस्टीट्यूट के मुताबिक, इस गिरावट के कुछ कारणों में रुपये का कमजोर होना और अर्थव्यवस्थाओं को



मापने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की कार्यप्रणाली में बदलाव शामिल हैं। इसके अलावा, विदेशों में किए जाने वाले निवेश (आउटबाउंड इन्वेस्टमेंट) में लगभग 20 अरब अमेरिकी डॉलर की कमी का असर भी इसके प्रदर्शन पर पड़ा है।

फ्यूचर रिसोर्सेज के अंक कितना?

आर्थिक झटके के बावजूद, भारत का 'भविष्य के संसाधनों' (फ्यूचर रिसोर्सेज) का स्कोर बढ़कर 56.2 अंक हो गया है। यह बेहतर आर्थिक पूर्वानुमान और देश के सामने मौजूद भविष्य के अवसरों को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'हालांकि 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था और कूटनीति के मिले-जुले नतीजे रहे, लेकिन एशिया में भारत का प्रभाव और बढ़ा है।'

दूसरे सबसे प्रभावी नेता बने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

वैश्विक कूटनीति और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन के मोर्चे पर भारत ने एक और मील का पत्थर हासिल किया है। प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय थिंक-टैंक लोवी इंस्टीट्यूट के 'एशिया पावर इंडेक्स 2026' में भारत ने एशिया के तीसरे सबसे शक्तिशाली देश और एक मेजर पावरहाउस के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का कुल पावर स्कोर बढ़कर 40.5 अंक हो गया है, जिससे वर्ष 2018 के बाद से चीन के साथ इसका फासला सबसे निचले स्तर पर पहुंच है। विशेषज्ञों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद पूरे एशिया का दूसरा सबसे प्रभावी क्षेत्रीय नेता माना है।

7 हजार से ज्यादा बोतल गोवा शराब सहित तीन वाहन जब्त

■ बस्तर में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में अवैध शराब तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है। आबकारी विभाग की टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश की गोवा ब्रांड विदेशी शराब की बड़ी खेप पकड़ी है। दरभा थाना क्षेत्र के छोटे कड़मा में की गई इस कार्रवाई में 140 पेटी से अधिक शराब यानी कुल 7,010 बोतलें जब्त की गई हैं। तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे तीन वाहन भी पकड़े गए हैं।

चौंकाने वाली बात यह है कि, इस पूरे मामले में दो नाबालिगों के साथ एक 18 वर्षीय युवक की संलिप्तता सामने आई है, जबकि एक अन्य आरोपी मौके से फरार हो गया। आबकारी विभाग के अनुसार, जब्त शराब की मात्रा 1,261.8 बल्क लीटर है, जिसकी



कीमत 9 लाख 46 हजार 350 रुपये आंकी गई है। वहीं, शराब के परिवहन में इस्तेमाल किए गए वाहनों सहित जब्त सामग्री का कुल बाजार मूल्य 20 लाख 96 हजार 350 रुपए बताया गया है।

आबकारी विभाग ने मामले में आबकारी अधिनियम की धारा 34(1), 34(2), 36 और 59 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। दोनों नाबालिग बालकों को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है, जबकि आरोपी प्रवीण बघेल को न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल कराया गया है। वहीं, फरार आरोपी सुनील सेठिया की तलाश की जा रही है। मामले में आगे की जांच जारी है।

अयोध्या से जनकपुर धाम तक शुरू हुई ट्रेन : पीएम मोदी व नेपाल के पीएम ने किया वर्चुअल शुभारंभ

अयोध्या। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या और माता सीता की जन्मस्थली जनकपुर धाम के बीच अब सीधा रेल संपर्क स्थापित हो गया है। भारत और नेपाल के बीच धार्मिक, सांस्कृतिक और मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई मजबूती देने वाली सरयू-कमला एक्सप्रेस का सोमवार को शुभारंभ हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पहुंचे।

सरयू-कमला एक्सप्रेस के संचालन से अयोध्या और नेपाल के जनकपुर धाम के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। करीब 604 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली यह ट्रेन दोनों देशों के श्रद्धालुओं के लिए यात्रा को आसान बनाएगी। इस रेल सेवा से यात्रियों को बीच में ट्रेन बदलने की जरूरत नहीं होगी।



28 नवंबर से आम यात्रियों के लिए उपलब्ध होगी ट्रेन

सरयू-कमला एक्सप्रेस का औपचारिक शुभारंभ आज यानी 23 नवंबर को हुआ। वहीं, 28 नवंबर से आम यात्रियों के लिए इस रेल सेवा का संचालन शुरू होने की जानकारी है। यह साप्ताहिक ट्रेन होगी और अयोध्या से जनकपुर धाम तक का सफर लगभग 19 घंटे में पूरा करेगी। इस रेल सेवा को भारत और नेपाल के बीच संपर्क को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

बिसलेरी के पानी पर नियामक सख्त, गोवा फैसिलिटी का सैंपल जांच में असुरक्षित



नईदिल्ली। देश के पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर बाजार की दिग्गज कंपनी बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड की मुश्किलें बढ़ गई हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने प्रयोगशाला परीक्षणों में पैकेज्ड पेयजल का नमूना 'असुरक्षित' पाए जाने के बाद कंपनी के खिलाफ कानूनी मुकदमा चलाने की औपचारिक मंजूरी दे दी है। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत शुरू की जा रही इस विनियामक कार्रवाई ने समूचे बेवरेज और पैकेज्ड फूड सेक्टर में हड़कंप मचा दिया है। हालांकि, बिसलेरी ने दावा किया है कि उसकी स्वतंत्र जांच में पानी के नमूने निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप पाए गए हैं। प्राधिकरण ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि कंपनी का कौन सा विशिष्ट पैकेज्ड वेरिएंट असुरक्षित पाया गया था, लेकिन यह कार्रवाई कंपनी की गोवा स्थित निर्माण इकाई से जुड़े सैंपल पर केंद्रित है।

भारत-न्यूजीलैंड का पहला टेस्ट ड्रा पर समाप्त हुआ डेरेल मिचेल व फिलिप्स ने विकेट के लिए तरसाया

वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हो गया है। पांचवे दिन भारतीय गेंदबाजों ने तीन विकेट लिए इसके बाद ग्लेन फिलिप्स व डेरेल मिचेल ने भारतीय गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसा दिया। जब मैच खत्म करने का फैसला लिया गया, तब भारत को जीत के लिए पांच विकेट की जरूरत थी और 15 ओवर बाकी थे, लेकिन इतने विकेट हासिल करना मुश्किल नजर आ रहा था। ऐसे में भारतीय टीम ने मुकाबले को ड्रॉ पर समाप्त करने का फैसला किया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 368 रन बनाए थे। एक वक्त न्यूजीलैंड ने पांच विकेट 70 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद हेनरी निकोल्स के नाबाद 175 रन और ग्लेन फिलिप्स के 118



रन ने उन्हें 368 तक पहुंचाया। जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में नौ विकेट पर 720 रन बनाए थे और पारी घोषित की थी। दूसरी पारी में भारत को 352 रन की बढ़त हासिल थी।

न्यूजीलैंड ने पांचवें दिन दो विकेट पर 119 रन से आगे खेलना शुरू किया। भारत को डेवोन कॉनवे के रूप में पहली सफलता मिली। कॉनवे 165 गेंद में सात चौके की मदद से 65 रन बनाकर सुंदर का शिकार बने। फिर रचिन रवींद्र को प्रसिद्ध कृष्णा ने ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया। रचिन 129 गेंद में चार चौके की मदद से 37 रन बना सके। टॉम ब्लंडेल को अंशुल कंबोज ने विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया। ब्लंडेल 15 रन बना सके। इसके बाद डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स ने भारतीय गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसा दिया। दोनों ने मिलकर 258 गेंदों तक भारतीय गेंदबाजों का सामना किया और 63 रन जोड़े। मिचेल 186 गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से 49 रन और ग्लेन फिलिप्स 126 गेंद में दो चौके की मदद से 26 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड ने 120 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 239 रन बना लिए थे। पांचवें दिन ज्यादा से ज्यादा 15 ओवर का खेल बाकी था।



संपादकीय

यमुना भी मैली

सफाई के दावों पर सुप्रीम सवाल

यह स्थिति किसी एक दिन की समस्या नहीं है। वर्षों से यमुना नदी का प्रदूषण दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। हर साल छठ पर्व के दौरान यमुना में फैले जहरीले झाग की तस्वीरें सामने आती हैं। प्रशासन कुछ समय के लिए सफाई अभियान चलाता है, नदी के पानी पर छिड़काव किया जाता है और प्रदूषण कम करने के दावे किए जाते हैं। लेकिन पर्व समाप्त होते ही स्थिति फिर पुराने ढर्रे पर लौट आती है। सवाल यही है कि आखिर हर साल एक ही समस्या सामने आने के बावजूद स्थायी समाधान क्यों नहीं निकल पा रहा है? अब यमुना के पानी को जहरीले रसायनों वाले झाग से मुक्त करने के दावे किए जा रहे हैं। लेकिन इन दावों की विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यदि नदी की सफाई के लिए वास्तव में गंभीर और प्रभावी प्रयास किए गए होते, तो आज यमुना की हालत इतनी दयनीय नहीं होती। यह विडंबना ही है कि हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बाद भी यमुना और मैली हो गई है। नदी की वर्तमान स्थिति सरकारी योजनाओं, बजट और घोषणाओं के बीच मौजूद उस गहरे अंतर को उजागर करती है, जिसे अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

> **“ पिछले दिनों दिल्ली के यमुना तटों पर छठ पर्व के मौके पर रासायनिक झाग के बीच सूर्य को अर्घ्य देती महिला श्रद्धालुओं की तस्वीरों ने पूरे देश को विचलित किया। आस्था, श्रद्धा और परंपरा के इस पावन पर्व पर श्रद्धालुओं को जिस तरह प्रदूषित पानी के बीच पूजा-अर्चना करनी पड़ी, वह न केवल प्रशासनिक व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के नाम पर किए जा रहे सरकारी दावों की वास्तविकता भी सामने लाता है। तंत्र की काहिली देखिए कि पर्व के दौरान भी श्रद्धालुओं को प्रदूषण मुक्त पानी वाले घाट उपलब्ध नहीं हो सके। जिस नदी को जीवनदायिनी माना जाता है, उसी के किनारे लोगों को जहरीले रसायनों और गंदगी के बीच धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए मजबूर होना पड़ा।**

मैली यमुना फैक्ट्री मालिकों और लोगों की आपराधिक लापरवाही तथा तंत्र की काहिली की दास्तां बयां करती है। औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला रासायनिक कचरा, बिना उपचारित सीवेज, घरेलू अपशिष्ट और नालों के माध्यम से नदी में पहुंचने वाली गंदगी यमुना के प्रदूषण को लगातार बढ़ा रही है। इसके बावजूद प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई का अभाव दिखाई देता है। जब तक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों और संस्थानों की जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक नदी की सफाई के प्रयास केवल कागजी योजनाओं तक सीमित रहेंगे।

यही वजह है कि पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने यमुना नदी में गिरने वाले 520 नालों और सफाई के सरकारी प्रयासों पर सवाल उठाए हैं। अदालत की चिंता केवल नदी की वर्तमान स्थिति को लेकर नहीं है, बल्कि उन सरकारी व्यवस्थाओं को लेकर भी है, जिनके जिम्मे नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने की जिम्मेदारी है। जब इतने बड़े स्तर पर सफाई अभियान चलाए जा रहे हों और इसके लिए भारी-भरकम बजट खर्च किया जा रहा हो, तब नदी में लगातार बढ़ता प्रदूषण शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। विडंबना यही है कि जब तक कोई राजनीतिक दल विपक्ष में होता है, तब तक अपनी सुविधा के हिसाब से यमुना की सफाई पर सवाल उठाता है। नदी की दुर्दशा को लेकर सरकार को घेरा जाता है, प्रदूषण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की जाती है और सफाई अभियान को लेकर बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं। लेकिन जब वही राजनीतिक दल सत्ता में आता है, तो उसकी प्राथमिकताएं बदल जाती हैं और वह खामोशी ओढ़ लेता है। यमुना की सफाई जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर राजनीति का यह दोहरा रवैया दुर्भाग्यपूर्ण है। बहरहाल, पिछले कई दशकों से यमुना के प्रदूषित होने का प्रश्न पर्यावरण प्रदूषण से जुड़ी सार्वजनिक बहसों के केंद्र में रहा है। लेकिन राजनीतिक दलों के लिए यह चुनाव की दृष्टि से सुविधा का मुद्दा ही रहा है। विपक्ष में हैं तो यमुना की सफाई को मुद्दा बनाया जाता है, सत्ता में आते ही चुप्पी साध ली जाती है। जाहिर है, इसकी सफाई के लिए ईमानदार और निरंतर प्रयास होते ही नहीं। यदि होते, तो यमुना की यह दुर्दशा ही न होती। मौलिक सवाल यही है कि यदि यमुना की सफाई में हजारों करोड़ रुपये खर्च हुए हैं, तो यमुना मैली की मैली क्यों है? आज वह दुनिया की सबसे प्रदूषित नदियों में क्यों शामिल है? क्या सफाई के लिए खर्च की गई राशि का सही उपयोग हुआ? क्या निर्धारित योजनाएं समय पर पूरी की गईं? क्या सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट अपनी पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं? क्या औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले गंदे पानी की नियमित जांच की जाती है? इन सवालों के जवाब केवल सरकारी प्रेस विज्ञप्तियों से नहीं, बल्कि स्वतंत्र जांच और पारदर्शी आंकड़ों के माध्यम से सामने आने चाहिए। सवाल सरकारों की इच्छाशक्ति का भी है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने यमुना की दुर्दशा पर लगातार सवाल उठाए हैं। शीर्ष अदालत ने सख्त नाराजगी जताते हुए पूछा कि यमुना की सफाई पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद प्रदूषण पहले के मुकाबले और कैसे बढ़ गया है? वह भारी-भरकम राशि कहां गई जो सफाई पर खर्च की गई थी?

शेन्झेन में दिग्गजों की त्रिपक्षीय वार्ता से संदेश

ज्योति मलहोत्रा

शेन्झेन में तीन ताकतवर देशों के प्रमुखों पुतिन, शी जिनपिंग और ट्रम्प की मुलाकात में अहम कूटनीतिक सीख है कि जब राष्ट्रीय हित साधने हों तो विचारधारा मायने नहीं रखती। ऐसे में भारत की विदेश नीति, पाकिस्तान के प्रति रुख और नेतृत्व की उम्मीदों पर चर्चा स्वाभाविक है। वहीं घरेलू सियासत में मोदी जानते हैं कि विरोध प्रदर्शनों के मूल में कॉर्पोरेट जगत से लाभ आमजन तक नहीं पहुंचना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुछ दिन पहले ही मनीला में क्वाड और आसियान की बैठकों से लौटे हैं, दिल्ली पहुंचने पर ब्रिटिश राज सिंहासन के उत्तराधिकारी विलियम और उनकी पत्नी केट को उनका इंतज़ार करते पाया। कम से कम उनसे कोई नुकसान नहीं था यानी, उनके साथ तस्वीरें खिंचवाने से किसी का कोई नुकसान नहीं होने वाला था।



समस्या, जिसे प्रधानमंत्री से बेहतर कोई नहीं समझता, कहीं और है—देश के भीतर भी और बाहर भी। बाहरी मोर्चे पर भारत अपना प्रबंधन काफ़ी अच्छा कर रहा है, भले ही उसकी विदेश नीति के कुछ हिस्सों में एक तरह का मतिभ्रम झलकता हो- मसलन अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित रूसी तेल की ख़रीद और बिक्री का मामला। भारत ने इस मामले में काफ़ी बेहतर कर दिखाया है; रूसी तेल ख़रीदने के लिए 'रुपया-रूबल वोस्ट्रो खाते' का इस्तेमाल करते हुए, तेल को शोधित किया- ताकि अब इसे 'भारतीय निर्यात' बताया जा सके-और फिर इसे आगे बेच दिया, जिसमें यूरोपीय रिफ़ाइनरियां भी शामिल हैं। कभी-कभार लगने वाले 'घोस्ट फ्लीट' (गायब हो जाने वाले जहाज़ों के बेड़े) के आरोपों के बावजूद-जिसमें हज़ारों बैरल तेल ले जा रहे पूरे के पूरे जहाज़ अचानक गायब हो गए—सच तो यह है कि मोदी सरकार ने कुछ रूसी (और ईरानी भी) तेल का भुगतान चीनी युआन में भी किया है। इसके लिए शंघाई में विशेष तौर पर इसी काम के लिए खोले गए आईसीआईसीआई बैंक का इस्तेमाल किया गया।

ज़रा सोचिए, भारत अपनी अर्थव्यवस्था को मज़बूत बनाए रखने के लिए रूसी तेल का भुगतान डॉलर के बजाय रुपये और युआन में कर रहा है। फिर भी, रूस और चीन के साथ भारत के संबंध रणनीतिक होने की बजाय केवल लेन-देन तक ही सीमित बने हुए हैं। ऐसा इसलिए कि भारत इन दोनों देशों के साथ बहुत नज़दीकी रिश्ते बनाने से हिचकिचा रहा है ख़ासकर चीन के साथ, जो 'वास्तविक नियंत्रण रेखा' (एलएसी) पर लगातार उकसावे वाली हरकतें करके भारत को परेशान करता रहता है।

यह भी विचारणीय है कि भारत 'रियलपॉलिटिक' वाले दायरे में रहकर ही क्यों खेल रहा है। पिछले हफ़्ते शेन्झेन में आपने दुनिया के तीन बड़े नेताओं—व्लादिमीर पुतिन, शी जिनपिंग और डोनाल्ड ट्रम्प—को टीवी पर एक-दूसरे से हाथ मिलाते देखा होगा। दुनिया के इन सबसे शक्तिशाली नेताओं ने अपने लिए यह त्रिपक्षीय मंच तैयार किया है, क्योंकि उनके पास किसी और की तुलना में दुनिया को कहीं ज़्यादा बदलने की क्षमता है।

इससे पिछले सप्ताह में,इनमें से हर नेता एक-दूसरे की कटु आलोचना कर रहा था। किंतु गत सप्ताह, वे कदम से कदम मिलाकर चल रहे थे-एक समान भी और असमान भी। उनमें से किसी ने भी अपनी विचारधारा को अपने राष्ट्रीय हितों के अभियान के आड़े नहीं आने दिया। आप पूछ सकते हैं कि इसमें भारत कहां है? अगर भारतीय इतने ही होशियार हैं, तो आज़ादी के 79 साल के बाद भी भारत एक बड़ी ताकत बनने के करीब भी क्यों नहीं? इस सवाल के कई जवाब हो सकते हैं, लेकिन 'अहंकार' से बड़ी कोई अहम वजह नहीं। भारतीयों को बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई अपनी श्रेष्ठता की कहानियों पर अब यकीन होने लगा है। मनीला से लौटने के बाद, प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत के सम्मेलन में दिग्गजों को आईना दिखाया। पूछा कि जब सरकार ने उन्हें हर तरह की कर-छूट दी,तो उन्होंने भारत को चमकाने के लिए कड़ी मेहनत क्यों नहीं की? यह कहते हुए '...लेकिन आपकी भूख इतनी है, कितना ही खिलाओ, पेट भरता नहीं...'। प्रधानमंत्री की यह तीखी टिप्पणी उनके 2014 के उस नारे की याद दिलाती है, जिसने उन्हें सत्ता में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी—'न खाऊंगा, न खाने दूंगा'। यानी, न तो मैं खुद रिश्वत लूंगा और न ही किसी और को रिश्वत लेने दूंगा। पिछले 12 सालों में बहुत कुछ बदल गया। बीजेपी अब कहीं ज्यादा मजबूत पार्टी बन चुकी है। लेकिन मोदी को यह भी अच्छी तरह पता है—खासकर जब कुछ ही महीनों में उत्तर प्रदेश, पंजाब, मणिपुर, उत्तराखंड और गोवा में चुनाव हैं कि आम जनता के बीच असंतोष का असल कारण है कि सरकारी नीतियों का फायदा कॉर्पोरेट घरानों से होते हुए आम आदमी तक नहीं पहुंचा (जिसका फायदा 'कॉकरोच जनता पार्टी' उठा रही है)। कॉर्पोरेट घरानों पर प्रधानमंत्री के इस हमले को इसी नजरिए से देखा जाना चाहिए।

आपको क्या लगता है, शेन्झेन को देखकर प्रधानमंत्री ने और क्या सीख ली होगी? शायद इसी ने बीते शुक्रवार दिल्ली में एससीओ के 'सिविलाइज़ेशनल फोरम' के उद्घाटन के दौरान उन्हें अपना पसंदीदा उवाच 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी 'पूरी दुनिया एक ही परिवार है' फिर से करने को उद्धृत किया। यह तब हुआ, जब दर्शकों के बीच पाकिस्तान के प्रतिनिधि, जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक मलिक भी मौजूद थे। सनद रहे, मलिक ने नई दिल्ली में निजामुद्दीन दरगाह जाने की अनुमति मांगी थी- जहां 12वीं सदी के लोकप्रिय सूफी संत हजरत निजामुद्दीन की मजार है और जो उनके होटल से कुछ ही किलोमीटर दूर है- लेकिन सरकार ने अनुरोध ठुकरा दिया। इस मतिभ्रम को कैसे समझाया जाए? यह भी याद रहे, जैसा कि हाल ही में लंदन से 'द ट्रिब्यून' के संवाददाता श्याम भाटिया ने रिपोर्ट किया था, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने सितंबर में यूके के थिंक टैंकों के साथ एक बंद कमरे में हुई बैठक में कहा था कि वे पाकिस्तान के साथ 'लोगों का लोगों के साथ मेलजोल' को फिर से शुरू करने के पक्ष में हैं। यह बात तब कही , जब उनकी अपनी सरकार ने पिछले साल मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद से पंजाब के पड़ोसी (पाकिस्तान) के साथ बातचीत बंद कर रखी है।

जाहिर है, कुछ अपवाद भी हैं जैसे पाकिस्तानी सिखों के जत्थों को भारत में सिख तीर्थस्थलों (जिनमें हेमकुंट साहिब भी शामिल है) पर जाने की अनुमति दी गई, और इसी तरह भारतीय सिखों के जत्थे भी पाकिस्तान जा रहे हैं; एक जत्था पिछले साल गया था, और अब एक और जत्था जल्द ही जाने की उम्मीद है। यहां यह अंदाज़ा लगाना कठिन नहीं कि ये अपवाद पंजाब में चुनाव को ध्यान में रखकर मंजूर किए हैं। फिर भी, कुछ चीजें बदल सकती हैं-जिसमें पाकिस्तान के प्रति अपनाई कड़े रुख वाली नीति भी शामिल है-खासकर यदि आने वाले विधानसभा चुनावों के नतीजे अप्रत्याशित रहें। भले ही नतीजे उम्मीद के मुताबिक क्यों न हों, बदलाव की संभावना बनी हुई है- यह न भूलें कि विदेश नीति का घरेलू राजनीति से गहरा संबंध होता है। अगर प्रधानमंत्री यह मान लें कि भारत के अड़ियल रुख की वजह से एक क्षेत्रीय शक्ति के रूप में भारत की भूमिका बाधित हो रही है, तब जल्द बदलाव करना ही पड़ेगा। यही वजह है कि गत सप्ताह शेन्झेन में 'बिग थ्री' (तीन बड़ी शक्तियों) की मुलाकात की तस्वीरें भारत की विदेश नीति को समझने के लिए बहुत अहम हैं। कोई शक नहीं कि अमेरिका का कमजोर होना चीन के लिए फायदेमंद है। वहीं, रूस ने फिर से मुख्य केंद्र में अपनी जगह बना ली है, क्योंकि वह अपने इस संकल्प पर कायम रहा कि यूक्रेन में अपनी 'न्यायपूर्ण लड़ाई' जारी रखेगा, भले ही युद्ध का परिणाम कितना भी भयानक हो, और इस तथ्य के बावजूद कि उसे 10 लाख लोग खोने पड़े हैं। हालांकि इस युद्ध को धन मुहैया अमेरिका ही करवा रहा है और लंबा खींच रहा है। मुश्किल हालात में भी रूस का दृढ़ संकल्प; चीन की हर हाल में शीर्ष पर पहुंचने की प्रतिबद्धता; और नाना मुश्किलों में घिरा अमेरिका, जो अपने बोझों,जैसे कि ईरान के साथ जारी युद्ध से पिंड छुड़ाना चाहता है। मुझे लगता है कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने शेन्झेन में पुतिन, शी और ट्रम्प को देखा होगा, तो उन्होंने ज़रूर सोचा होगा कि क्या इस कहानी का सबक यह तथ्य है कि दुश्मन भी एक ही मेज़ पर बैठकर बात कर सकते हैं?

क्या मोदी भी सुन त्ज़ू की किताब 'द आर्ट ऑफ़ वॉर' से कुछ सीख ले सकते हैं?

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

आज भी जीवन को दिशा देने वाले शाश्वत विचार

दीपिका अरोरा



युग भले ही बदल चुका हो, परिस्थितियां कमोबेश वही हैं। ऐसे में सामाजिक कायाकल्प करने हेतु जगतगुरु नानक जी सरीखे महापुरुषों द्वारा प्रदत्त शिक्षाओं का गहनतापूर्वक मनन और अनुसरण करना समय की मांग बन जाता है। सिख धर्म के संस्थापक एवं प्रथम गुरु नानक देव जी का जन्म 15 अप्रैल, 1469 ई. को राय भोई की तलवंडी (वर्तमान में ननकाना साहिब) में हुआ था। माता तृप्ता तथा पिता मेहता कालू के घर जन्मा यह अलौकिक बालक बचपन से ही धीर-गंभीर स्वभाव का था। किसी शब्द या अक्षर का गहन विश्लेषण करना हो अथवा प्रचलित रस्मों को तार्किक आधार पर परखना, ये सभी गुण उनमें बाल्यकाल से ही विद्यमान थे। गुरु नानक जी युवावस्था की दहलीज़ पर पहुंचने से पूर्व ही तत्कालीन समाज की दुर्दशा भली-भांति भांप चुके थे। सर्वत्र अंधविश्वास, पाखंड तथा कट्टरता का बोलबाला था। जाति प्रथा, वर्ण व्यवस्था, छुआछूत जैसी कुप्रथाएं चरम पर थीं। निरंकुश शासक जनता का शोषण कर रहे थे।

अभिशप्त जीवन से उबारने का एकमात्र उपाय था ज्ञानदीप प्रज्वलित करके सुसुप्तप्राय: जनसामान्य को झकझोरना, दिशाज्ञान देने के साथ-साथ स्वयं उदाहरण बनकर उन्हें अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाने का साहस प्रदान करना। यह महत्त्वपूर्ण कार्य करने का बीड़ा उठाया विचारशील, समाज-सुधारक एवं संत प्रकृति के स्वामी गुरु नानक जी ने। इस संदर्भ में उनके द्वारा की गई चार उदासियां (धर्म-यात्राएं) विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। भारत के अलावा मक्का, अरब, तिब्बत तथा अफ़ग़ानिस्तान जैसे दूरस्थ क्षेत्रों की यात्राएं करके जहां उन्होंने सत्य, प्रेम तथा भाईचारे का संदेश दिया, वहीं पाखंडों और अंधविश्वासों का खंडन भी किया। गुरु नानक जी की शिक्षाएं तीन मुख्य सिद्धांतों पर आधारित हैं—नाम जपो, कीरत करो और वंड छको। 'नाम जपो' से आशय निरंतर ईश्वर से जुड़े रहना तथा सबका भला मांगना है। 'एक ओंकार' में आस्था रखने वाले बाबा नानक जी के अनुसार, 'नानक नाम चढ़दी कला, तेरे भाणे सरबत दा भला।' 'कीरत करो' से अभिप्राय ईमानदारीपूर्वक आजीविका कमाकर परिवार का पालन-पोषण करना है। 'वंड छको' का अर्थ है मिल-बांटकर खाना तथा अपनी कमाई का कुछ हिस्सा ज़रूरतमंदों की सहायता के लिए अर्पित करना। सामाजिक समानता के पक्षधर गुरुजी के विचार में जन्म से किसी की जाति ऊंची या नीची नहीं होती; ऊंच-नीच तो अच्छे और बुरे कर्मों के माध्यम से तय होती है। उनके शब्दों में, 'न हम हिंदू, न मुसलमान।' इसी सोच के तहत 'लंगर' की शुरुआत की गई, जिसमें किसी भी वर्ण, धर्म, जाति या समुदाय से संबद्ध लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं।

बाबा नानक जी के कथनानुसार, मुक्ति या आध्यात्मिकता मात्र संन्यासी बनने अथवा गुफ़ाओं में बैठने से नहीं मिलती। गृहस्थ जीवन में सामाजिक दायित्व निष्ठापूर्वक निभाकर भी इन्हें प्राप्त किया जा सकता है। वे कमल की ही भांति सांसारिक कीचड़ से निर्लिप्त रहकर प्रभु-भक्ति करने पर बल देते हैं। दरअसल, पांच शताब्दी पूर्व दी गईं ये शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। 'पउणु गुरू पाणी पिता माता धरति महतु' कहकर गुरु नानक जी ने पवन, पानी और धरती को क्रमश: गुरु, पिता तथा माता जैसा महत्त्वपूर्ण दर्ज दिया। इसके बावजूद स्वार्थी मानव नहीं संभला। नतीजतन, अनमोल प्राकृतिक तत्त्व आज चिंताजनक स्तर तक विषाक्त हो चुके हैं। भेदभाव की जिस खाई को पाटना बाबाजी के जीवन का उद्देश्य रहा, वह आज भी कहीं-न-कहीं समाज में अपनी जगह बनाए हुए है। जिस नारी के सम्मान में बाबाजी 'सो किउ मंदा आखिए जितु जम्हि राजान' का पुख़्ता स्वर बुलंद करते रहे, वह आज भी लैंगिक पक्षपात, शोषण आदि से पूर्णत: मुक्त नहीं हो पाई है। क्षुधाकुल पेट भरने को ही 'सच्चा सौदा' मानने वाले गुरु नानक जी के देश में, दुर्भाग्यवश, आज ऐसे सौदागरों की कोई कमी नहीं, जो मुनाफ़ख़ोरी के लोभ में लोगों का जीवन तक दांव पर लगा देते हैं। निहित स्वार्थों के चलते मज़हब और जाति के नाम पर लोगों को लड़ाना आधुनिक राजनीति में आम देखा जा सकता है।

भौतिकतावाद की अंधी दौड़ में हमने स्वयं को इस क़दर मसरूफ़ कर डाला है कि हमारे भीतर बसा 'अनहद नाद' भूले से भी हमें सुनाई नहीं पड़ता। इसी कारण बात-बेबात संबंध दरक रहे हैं। समाज में अनाचार बढ़ रहा है, अनैतिकता हावी हो रही है तथा अशांति और अवसाद गहराते जा रहे हैं। कुल मिलाकर, युग भले ही बदल चुका हो, परिस्थितियां कमोबेश वही हैं। ऐसे में सामाजिक कायाकल्प करने हेतु जगतगुरु नानक जी सरीखे महापुरुषों द्वारा प्रदत्त शिक्षाओं का गहनतापूर्वक मनन और अनुसरण करना समय की मांग बन जाता है।

सोनिया गांधी की नई किताब: कहानी के पीछे छिपे सत्ता के सवाल!

अजय दीक्षित

किसी भी देश का राजनीतिक इतिहास केवल नेताओं की उपलब्धियों से नहीं, बल्कि उनके फैसलों, गलतियों और उन फैसलों से प्रभावित हुए आम नागरिकों के अनुभवों से लिखा जाता है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की नई पुस्तक **'Belonging: A Journey of Love'** ने एक बार फिर देश की राजनीति में गांधी परिवार की भूमिका और उसकी विरासत पर बहस छेड़ दी है। यह पुस्तक केवल एक महिला के व्यक्तिगत जीवन, प्रेम, पारिवारिक रिश्तों और संघर्षों की कहानी नहीं है। इसके पन्नों में देश की राजनीति के कई ऐसे अध्याय भी जुड़े हैं, जिनका सीधा संबंध भारतीय लोकतंत्र, कांग्रेस संगठन और सत्ता की राजनीति से रहा है। सोनिया गांधी ने अपने जीवन के अनुभवों को सामने रखा है। इटली से भारत आने, राजीव गांधी से विवाह करने, इंदिरा गांधी के परिवार का हिस्सा बनने और बाद में कांग्रेस की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाने तक का उनका सफर निश्चित रूप से असाधारण है। लेकिन सवाल यह है कि क्या एक ऐसी पुस्तक, जिसके लेखक ने देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी का लंबे समय तक नेतृत्व किया हो, केवल व्यक्तिगत अनुभवों तक सीमित रह सकती है?

वर्ष 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू किया था। इसके पीछे आधिकारिक तर्क आंतरिक अशांति और देश की व्यवस्था को बनाए रखने का दिया गया था। लेकिन राजनीतिक पृष्ठभूमि में इलाहाबाद हाईकोर्ट का चुनाव संबंधी फैसला, प्रधानमंत्री की राजनीतिक स्थिति और विपक्ष का बढ़ता आंदोलन भी महत्वपूर्ण थे। आपातकाल के दौरान विपक्षी नेताओं को जेलों में डाला गया, प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया और नागरिक अधिकार सीमित कर दिए गए। संजय गांधी की भूमिका और उस दौर में सत्ता के गैर-संवैधानिक प्रभाव को लेकर भी गंभीर सवाल उठे।आज प्रश्न यह है कि जिस परिवार ने भारतीय राजनीति में इतने लंबे समय तक नेतृत्व किया, क्या उसकी जिम्मेदारी नहीं बनती कि वह उस दौर की प्रत्येक महत्वपूर्ण घटना पर खुलकर बात करे?

लोकतंत्र में सत्ता की मजबूती से अधिक महत्वपूर्ण नागरिकों की स्वतंत्रता होती है। आपातकाल का इतिहास किसी परिवार की निजी स्मृति नहीं, बल्कि पूरे देश का अनुभव है।

भारतीय राजनीति का एक बड़ा सवाल कांग्रेस में परिवारवाद का रहा है। कांग्रेस जैसी ऐतिहासिक पार्टी, जिसने देश की आजादी के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, क्या वह गांधी परिवार के नेतृत्व से स्वतंत्र होकर अपना संगठनात्मक भविष्य तय कर सकी? सोनिया गांधी ने 1998 में कांग्रेस अध्यक्ष का दायित्व संभाला और लंबे समय तक पार्टी का नेतृत्व किया। उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने 2004 में केंद्र की सत्ता में वापसी की। लेकिन इसी दौरान पार्टी के भीतर नेतृत्व का केन्द्रीकरण और गांधी परिवार पर अत्यधिक निर्भरता राजनीतिक बहस का विषय बना रहा। सवाल यह नहीं कि गांधी परिवार का कोई सदस्य राजनीति में क्यों है। लोकतंत्र में हर नागरिक को राजनीति करने का अधिकार है। सवाल यह है क्या कांग्रेस में सामान्य कार्यकर्ता से लेकर बड़े नेताओं तक सभी को नेतृत्व प्राप्त करने के समान अवसर मिले? क्या पार्टी में नेतृत्व का चुनाव वास्तव में संगठनात्मक लोकतंत्र के आधार पर होता रहा है, या गांधी परिवार की स्वीकृति राजनीतिक भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण शर्त बन गई? इस सवाल का जवाब कांग्रेस को अपने कार्यकर्ताओं और देश की जनता के सामने देना होगा।

वर्ष 2004 में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए गठबंधन की जीत के बाद सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं किया और डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाया। इस फैसले को उनके समर्थकों ने त्याग और राजनीतिक परिपक्वता के रूप में प्रस्तुत किया। लेकिन इस घटनाक्रम का एक दूसरा राजनीतिक पहलू भी है, जिस पर चर्चा आवश्यक है। मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे, जबकि सोनिया गांधी कांग्रेस अध्यक्ष और यूपीए की प्रमुख राजनीतिक नेता थीं।

राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के माध्यम से भी नीतिगत चर्चाओं में उनकी भूमिका रही। इस व्यवस्था को लेकर उस समय भी राजनीतिक हलकों में वास्तविक सत्ता और संवैधानिक जवाबदेही के संबंध पर सवाल उठे। लोकतंत्र में प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी संविधान और संसद के प्रति होती है। इसलिए सत्ता के राजनीतिक और संवैधानिक केंद्रों के बीच स्पष्टता रहना जरूरी है। इस व्यवस्था का निष्पक्ष मूल्यांकन आज भी राजनीतिक इतिहास का महत्वपूर्ण विषय है। सोनिया गांधी की पुस्तक को लेकर सबसे महत्वपूर्ण आलोचनात्मक सवाल यह है कि इसमें देश की राजनीति के कुछ अत्यंत विवादास्पद अध्यायों पर कितनी विस्तार से चर्चा की गई है। 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सिख विरोधी हिंसा हुई। हजारों परिवार प्रभावित हुए और कांग्रेस के कुछ नेताओं पर हिंसा में भूमिका के आरोप लगे। इस प्रकरण में न्याय, जवाबदेही और राजनीतिक जिम्मेदारी के सवाल लंबे समय तक उठते रहे। इसी प्रकार राजीव गांधी सरकार के समय बोफोर्स विवाद ने कांग्रेस की राजनीतिक साख को प्रभावित किया। बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि विवाद और श्रीलंका में भारतीय शांति सेना की भूमिका भी उस दौर की महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाएं थीं। पुस्तक की समीक्षाओं में इन विषयों पर सीमित या सतर्क चर्चा को लेकर सवाल उठाए गए हैं। यहां सवाल किसी एक पार्टी को कटघरे में खड़ा करने का नहीं, बल्कि राजनीतिक जवाबदेही का है। यदि किसी नेता की पुस्तक इतिहास को समझने का माध्यम बनती है, तो उसमें कठिन प्रश्नों का सामना भी होना चाहिए। आज कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक संगठन को मजबूत करना और अपने नेतृत्व को व्यापक राजनीतिक आधार देना है। राहुल गांधी लंबे समय से पार्टी की राष्ट्रीय राजनीति का प्रमुख चेहरा हैं। प्रियंका गांधी भी सक्रिय राजनीतिक भूमिका निभा रही हैं। ऐसे में सोनिया गांधी की पुस्तक केवल अतीत की कहानी नहीं, बल्कि कांग्रेस की वर्तमान और भविष्य की राजनीतिक दिशा पर भी चर्चा का अवसर है। क्या कांग्रेस गांधी परिवार के प्रभाव से आगे बढ़कर एक मजबूत संगठनात्मक व्यवस्था विकसित कर पाएगी? क्या क्षेत्रीय नेताओं और सामान्य कार्यकर्ताओं को स्वतंत्र रूप से नेतृत्व करने का अवसर मिलेगा? क्या पार्टी अपने पुराने राजनीतिक आधार को नए सामाजिक और आर्थिक मुद्दों से जोड़ पाएगी? ये प्रश्न कांग्रेस के लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने विपक्षी राजनीति के लिए।

अपनी कहानी बताना अधिकार है, लेकिन इतिहास का हिसाब भी जरूरी है सोनिया गांधी को अपने जीवन की कहानी लिखने और अपने अनुभव साझा करने का पूरा अधिकार है। उनके व्यक्तिगत संघर्षों, राजीव गांधी की हत्या के बाद के दुख और सार्वजनिक जीवन की चुनौतियों को भी संवेदनशीलता से समझा जाना चाहिए। लेकिन जब कोई व्यक्ति दशकों तक देश की सत्ता और राजनीति के केंद्र में रहा हो, तो उसकी राजनीतिक विरासत का मूल्यांकन केवल व्यक्तिगत पीड़ा और पारिवारिक संघर्षों के आधार पर नहीं हो सकता। राजनीति में सहानुभूति और जवाबदेही दोनों का अपना स्थान है। व्यक्तिगत जीवन के संघर्ष किसी नेता के प्रति सम्मान पैदा कर सकते हैं, लेकिन वे सार्वजनिक फैसलों के मूल्यांकन का विकल्प नहीं बन सकते। सोनिया गांधी की नई पुस्तक ने एक बार फिर यह अवसर दिया है कि देश गांधी परिवार की राजनीतिक विरासत को नए सिरे से समझे। लेकिन किसी भी पुस्तक का महत्व उसके प्रकाशित होने से नहीं, बल्कि उसमें उठाए गए सवालों और प्रस्तुत किए गए तथ्यों की विश्वसनीयता से निर्धारित होता है। भारत का लोकतंत्र किसी एक परिवार की राजनीतिक संपत्ति नहीं है। कांग्रेस का इतिहास भी केवल नेहरू-गांधी परिवार का इतिहास नहीं है। इसमें लाखों कार्यकर्ताओं, स्वतंत्रता सेनानियों और उन नेताओं का योगदान है, जिन्होंने पार्टी और देश के लिए अपना जीवन समर्पित किया। आज आवश्यकता है कि कांग्रेस अपने अतीत की उपलब्धियों के साथ-साथ विवादों और गलतियों पर भी खुलकर आत्ममंथन करे।

क्योंकि लोकतंत्र में नेता की लोकप्रियता से बड़ा सवाल उसकी जवाबदेही है और इतिहास में किसी परिवार का नाम कितना भी बड़ा क्यों न हो, जनता के सवालों से बड़ा नहीं हो सकता।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

महाराष्ट्रीयन परंपरा से हुआ तुलसी विवाह, श्रद्धालु बने घराती-बाराती, बांटी खिचड़ी

भिलाई। हुडको महाराष्ट्र सांस्कृतिक मंडल की ओर से श्री गणेश मंदिर, हुडको में तुलसी विवाह का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को फूलों, रंगोली और आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। भजन-कीर्तन और मंगल गीतों से मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। विवाह में वर पक्ष की ओर से अनिल पाटिल एवं संगीता पाटिल ने भगवान शालिग्राम का पूजन किया। वहीं, वधू पक्ष की ओर से राजेंद्र डाहाके एवं संध्या डाहाके ने माता तुलसी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। पुरोहित के मंत्रोच्चार के बीच पारंपरिक महाराष्ट्रीयन रीति-रिवाजों से हल्दी, मेहंदी, कन्यादान, मंगलसूत्र, सिंदूर और फेरे सहित विवाह की रस्में संपन्न कराई गईं। इसके बाद भगवान शालिग्राम और माता तुलसी की महाआरती की गई। आयोजन में व्रतधारी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद के रूप में साबूदाने की खिचड़ी का वितरण किया गया। मंडल के पदाधिकारियों, सदस्यों और कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं बच्चे शामिल हुए।

मरार पटेल महिला समाज के दीपावली मिलन में हुई सुआ नृत्य की प्रस्तुति

भिलाई। मां शाकंभरी मरार (पटेल) महिला जनकल्याण सोसायटी के तत्वावधान में दीपावली मिलन समारोह सेक्टर 10, क्वार्टर 2ए में आयोजित हुआ। महिलाओं ने परिवार की खुशहाली, सुख-शांति और समृद्धि के लिए पूजा-अर्चना की तथा दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए एक-दूसरे से आत्मीयता से मुलाकात की। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ का सुवा नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसे देखकर उपस्थित महिलाएं उत्साह से भर उठीं। इसके बाद सभी ने साथ बैठकर प्रसाद और भोजन ग्रहण किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष रोहिता पटेल, ऊषा पटेल, डीकेश्वरी पटेल, कल्पना पाटिल, हेमलता, रुखमणी पटेल आदि उपस्थित रहीं।

गहिरा गुरु धाम में देवउठनी एकादशी पर तुलसी-शालिग्राम विवाह कराया

दुर्ग। दुर्ग के गहिरा गुरु धाम स्थित यादव सांस्कृतिक भवन, वार्ड 24 में देवउठनी एकादशी पर शालिग्राम और तुलसी विवाह का आयोजन कृष्णा भगवान मंदिर अहीर समाज रायपुरा ट्रस्ट के नेतृत्व में हुआ। गन्ने से मंडप बनाया गया और शालिग्राम पर हल्दी-चंदन लगाकर नए पीतांबरी वस्त्र अर्पित किए गए। तुलसी को लाल चुनरी व सुहाग सामग्री चढ़ाई गई। बाद में ऋतु फल, सब्जियां, कंद-मूल, मेवा-मिष्ठान और मोतीचूर लड्डू का भोग लगाकर कीर्तन-भजन व महाआरती की गई। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष करुणा यादव, कोषाध्यक्ष वर्षा रितु यादव, सहसचिव त्रिवेणी यादव, ललित अग्रवाल, हर्ष यादव, सरोज यादव, निशा यादव, संध्या यादव आदि उपस्थित रहीं।

ब्लास्ट फर्नेस-8 (महामाया) ने 22 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन का ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस-8 (महामाया) ने हॉट मेटल उत्पादन के क्षेत्र में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज करते हुए 15 नवम्बर 2026 को 22 मिलियन टन संचयी हॉट मेटल का उत्पादन का आंकड़ा पार कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

यह उपलब्धि फर्नेस के निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन, परिचालन दक्षता और उत्पादन क्षमता का परिचायक है। 2 फरवरी 2018 को कमीशन किए गए ब्लास्ट फर्नेस-8 ने मात्र 3,208 दिनों में 22 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन का लक्ष्य हासिल किया। इसके साथ ही यह सेल की अन्य इकाइयों के समान क्षमता वाले फर्नेसों में सबसे कम समय में 22 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन का आंकड़ा प्राप्त करने वाला फर्नेस बन गया है।

उल्लेखनीय है कि फर्नेस ने 21 मिलियन टन से 22 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन तक का सफर मात्र 128 दिनों में पूरा किया। यह उपलब्धि फर्नेस के निरंतर बेहतर परिचालन प्रदर्शन, कार्यकुशलता और कार्मिकों के समर्पित प्रयासों को दर्शाती है। इस उपलब्धि पर मुख्य महाप्रबंधक मनोज कुमार एवं मुख्य महाप्रबंधक विवेक वर्मा ने ब्लास्ट फर्नेस बिरादरी को बधाई दी। उन्होंने टीम के समर्पण, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता और निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। साथ ही उत्पादकता, परिचालन दक्षता में और सुधार लाने तथा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बेहतर कार्य निष्पादन का क्रम बनाए रखने के लिए कार्मिकों को प्रोत्साहित किया।

सुशासन में विकास कार्यों को मिली गति

जामुल के विकास के लिए सरकार लगातार उपलब्ध करा रही राशि : उप मुख्यमंत्री अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज



दुर्ग। नगर पालिका परिषद जामुल में विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने की। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद विजय बघेल उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने गजमाला पहनाकर उप मुख्यमंत्री साव का स्वागत किया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जामुल क्षेत्र के विकास के लिए 19 करोड़ 63 लाख 6 हजार रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने मानस मंच निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि प्रदेश सरकार के सुशासन में विकास कार्यों को गति मिली है और जनहितकारी योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने बताया कि जामुल नगरपालिका को पिछले तीन वर्षों में विभिन्न योजनाओं एवं मदों से कुल 54 करोड़ 26 लाख रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है। आज जिन विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया है, उनकी शुरुआत अगले दिन से ही करने तथा कार्यों में किसी प्रकार की देरी नहीं करने को कहा , ताकि नागरिकों को जल्द सुविधाएं मिल सकें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विकास कार्यों के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध करा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना, 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी तथा दो वर्ष के बकाया बोनस जैसी गारंटियों को पूरा करने की दिशा में सरकार लगातार कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को हर माह 1000 रुपये सीधे उनके खातों में दिए जा रहे हैं। लाभार्थियों को अब तक 32-32 हजार रुपये प्राप्त हो चुके हैं। वहीं केंद्र सरकार द्वारा हर माह 5 किलो चावल भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री साव ने स्वर्गीय डोमनलाल कोर्सेवाड़ा को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की तथा क्षेत्र के विकास में उनके योगदान को याद किया। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों को जामुल के विकास के लिए आगे भी हरसंभव सहयोग देने और आवश्यक राशि उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि जामुल नगरपालिका को पूर्व में भी विभिन्न मदों एवं 15वें वित्त आयोग के तहत राशि उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने क्षेत्र में कॉलेज, अस्पताल, मंगल भवन, पेयजल सुविधा तथा लगभग 13 करोड़ रुपये की लागत से नाली निर्माण कार्यों का उल्लेख किया। साथ ही सड़क सुदृढ़ीकरण, चौड़ीकरण, डामरीकरण एवं फोरलेन निर्माण से जुड़े विकास कार्यों की जानकारी दी। सांसद विजय बघेल ने भी स्वर्गीय डोमनलाल कोर्सेवाड़ा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए क्षेत्र के विकास में उनके प्रयासों एवं योगदान को याद किया। नगर पालिका परिषद जामुल में कुल 96 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया, जिनकी स्वीकृत राशि 18 करोड़ 32 लाख 87 हजार रुपये है। इनमें अधोसंरचना मद के 82 कार्यों के लिए 648.95 लाख रुपये, स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंतर्गत एक कार्य के लिए 8 करोड़ 48 लाख 48 हजार रुपये तथा 15वें वित्त आयोग मद के 13 कार्यों के लिए 3 करोड़ 35 लाख 43 हजार रुपये स्वीकृत हैं। वहीं 15वें वित्त आयोग मद के अंतर्गत एक कार्य का लोकार्पण किया गया, जिसकी स्वीकृत राशि 1 करोड़ 30 लाख 19 हजार रुपये है।

राष्ट्रीय राजनीति में छत्तीसगढ़ की बढ़ी चमक, विधायक ललित चंद्राकर बने भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री



श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक ललित चंद्राकर ने राजनीति में ऊंची छलांग लगाई है। उन्हें भाजपा ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किया गया है। भाजपा में 1994 से सक्रिय ललित चंद्राकर ने संगठन के प्रति समर्पण, निष्ठा और अथाह मेहनत के दम पर जिले स्तर की राजनीति से उठकर राष्ट्रीय राजनीति में ऊंचा मुकाम हासिल किया है।

श्री चंद्राकर को ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने से भाजपा कार्यकर्ताओं समेत उनके शुभचिंतकों में उत्साह का माहौल है, फलस्वरूप उन्हें बधाई देने भाजपा नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में रविवार को उनके सिविल लाइन स्थित निवास कार्यालय पहुंचे। जहां कार्यकर्ताओं ने श्री चंद्राकर का स्वागत-अभिनंदन कर बधाई दी और राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान जोरदार आतिशबाजी कर भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपनी खुशियां जाहिर की। बता दें कि राज्य निर्माण के बाद ललित चंद्राकर को जिला भाजयुमो का महामंत्री नियुक्त किया गया था। इसके बाद ललित चंद्राकर लगातार संगठन में सक्रिय रहे। जोगी सरकार के कार्यकाल में ललित चंद्राकर ने अविभाजित दुर्ग जिले में भाजयुमो संगठन को मजबूत बनाने दमखम के साथ काम किया। खेरथा (अब दुर्ग ग्रामीण) क्षेत्र के गांव-गांव में संगठन का नेटवर्क बनाने में पूरी ताकत झोंक दी। इसके बाद ललित को जिला भाजपा संगठन में महामंत्री का ओहदा दिया गया। 2023 में दुर्ग ग्रामीण विधानसभा से विधायक की टिकट मिलने के बाद उन्होंने शानदार जीत हासिल की।

मुख्यमंत्री साय के रिसाली आगमन की तैयारियों को लेकर भाजपा की बैठक, विधायक चंद्राकर का हुआ भव्य अभिनंदन

श्रीकंचनपथ न्यूज



रिसाली। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आगामी रिसाली प्रवास की तैयारियों को लेकर विजया भवन रिसाली में रिसाली मंडल एवं मरोदा-पुरैना मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री के स्वागत कार्यक्रम को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की गई। साथ ही दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर को भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किए जाने पर दोनों मंडलों के कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य अभिनंदन किया।

बैठक में मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर कार्यक्रम स्थल, स्वागत व्यवस्था, मंच संचालन, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों, जनसंपर्क तथा आम जनता की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर मुख्यमंत्री का रिसाली की धरती पर पूरे उत्साह, अनुशासन और भव्यता के साथ स्वागत करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर को ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने गजमाला और पुष्पहार पहनाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह नियुक्ति दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र के साथ-साथ पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। संगठन के प्रति समर्पण, सहजता और जमीनी स्तर पर सक्रियता के चलते उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना प्रदेश के कार्यकर्ताओं के लिए सम्मान की बात है।

अभिनंदन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का रिसाली आगमन हम सभी के लिए सौभाग्य का अवसर है।

दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और लुधियाना के बाद अब रायपुर में होगा ग्लोबल RISE कॉन्फ्रेंस

25 नवंबर को होटल बेबीलोन कैपिटल में होगा आयोजन, देश-विदेश के व्यापारिक अवसरों और MSME के विकास पर होगी चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और लुधियाना में सफल आयोजन के बाद अब ग्लोबल RISE कॉन्फ्रेंस का आयोजन 25 नवंबर 2026 को रायपुर स्थित होटल बेबीलोन कैपिटल में किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के लघु उद्योगों, **MSME**, उद्यमियों एवं व्यापारिक संस्थानों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक अवसरों से जोड़ना तथा उनके विकास के नए रास्ते तलाशना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता अजय भसीन, प्रदेश संयोजक स्वदेशी व्यापारी मंच होंगे। वे अपने उद्बोधन में स्थानीय व्यापार, लघु उद्योगों एवं स्वस्थ की भूमिका, उनकी चुनौतियों और वैश्विक बाजार में उनकी संभावनाओं पर प्रकाश डालेंगे। साथ ही छत्तीसगढ़ के उद्यमियों को बदलते वैश्विक व्यापारिक परिवेश के अनुरूप तैयार होने तथा अपने व्यवसाय को विस्तार देने के विषय में मार्गदर्शन देंगे। कार्यक्रम के आयोजक संदीपन रे ने बताया कि रायपुर का औद्योगिक आधार मजबूत है, लेकिन अब इसके इर्द-गिर्द अधिक मूल्य सृजन करने की आवश्यकता है। तकनीक, मजबूत वैल्यू चेन (मूल्य श्रृंखला) और AI आधारित विकास, वैश्विक व्यापारिक अवसरों और अंतरराष्ट्रीय बाजार में विस्तार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम में विशेष रूप से पैनल डिस्कशन आयोजित होगा, जिसमें छत्तीसगढ़ के उद्योग एवं व्यापार जगत की प्रमुख हस्तियां अपने अनुभव और विचार साझा करेंगी। पैनल डिस्कशन में यूके एवं इटली बिजनेस डेलिगेशन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योगपति श्री जे.पी. गुप्ता, स्टील उद्योग जगत से महेश बंसल एवं दिनकर बासोटिया शामिल होंगे। इस आयोजन के माध्यम से छत्तीसगढ़ के उद्यमियों को वैश्विक व्यापार की संभावनाओं से परिचित कराने, उद्योगों के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने तथा स्थानीय स्तर पर पहचान व्यापक बाजार तक पहुंच व्यवसायों को अधिक प्रतिस्पर्धी बना सकती है और विकास के नए अवसर खोल सकती है। रायपुर के उद्योग एवं व्यवसाय इन अवसरों का किस प्रकार लाभ उठा सकते हैं, इसी महत्वपूर्ण विषय पर **SMBConnect | The Global RISE** कार्यक्रम में चर्चा की जाएगी। ग्लोबल **RISE** कॉन्फ्रेंस का प्रमुख उद्देश्य छोटे एवं मध्यम उद्यमों को एक ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे उद्योग विशेषज्ञों, निवेशकों, अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों से जुड़कर अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकें।

अंतर्शालेय प्रतियोगिताओं के विजेता 213 छात्र-छात्राओं का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-7 के सभागार में अंतर्शालेय प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर संयंत्र के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 213 विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए मुख्य अतिथि महाप्रबंधक प्रभारी ए.बी. श्रीनिवास ने सम्मानित किया।

समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। विद्यार्थियों ने पौधे भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया, वहीं सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-7 के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। समारोह में सुमिता सरकार, विजय सिंह पवार, उर्वशी साहू एवं सुश्री सविता तिवारी सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रमुख उपस्थित रहे। समारोह में विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने विशेष आकर्षण प्रदान किया।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-7 की छात्रा विद्या पंडित ने मनमोहक शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया, वहीं भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 की छात्रा संतोषी साहू ने मधुर लोकगीत की प्रस्तुति दी। ई.एम.एम.एस., सेक्टर-7 के छात्र-छात्राओं ने आकर्षक ड्रिल प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लगभग 213 छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि ए.बी. श्रीनिवास ने स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि ए.बी. श्रीनिवास ने पुरस्कार विजेता विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए कहा कि विद्यालयीन जीवन में प्राप्त शिक्षा और सीख भविष्य में जीवन की विभिन्न चुनौतियों का सामना करने तथा उनका समाधान खोजने में मार्गदर्शक सिद्ध होती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे में विशिष्ट प्रतिभा और क्षमताएँ होती हैं, जिन्हें सही मार्गदर्शन, प्रोत्साहन एवं अवसरों के माध्यम से विकसित किया जा सकता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ अपनी रुचियों और रचनात्मक क्षमताओं को भी निरंतर विकसित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा का विकास उनके उज्ज्वल भविष्य के साथ-साथ राष्ट्र की प्रगति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को जीवन में सफलता की नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करने की शुभकामनाएँ दीं। साथ ही विद्यार्थियों की उपलब्धियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शिक्षकों के सतत प्रयासों की सराहना की।

महाप्रबंधक (शिक्षा) शिखा दुबे ने स्वागत उद्बोधन में अतिथियों का स्वागत करते हुए सभी पुरस्कार विजेता विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में कुछ विशिष्ट नैसर्गिक गुण एवं प्रतिभाएँ होती हैं, जिन्हें निरंतर परिश्रम, लगन और समर्पण से विकसित किया जा सकता है। विद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों की बहुमुखी प्रतिभा को निखारने तथा उन्हें अपनी क्षमताओं के प्रदर्शन का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने शिक्षकों से प्रत्येक विद्यार्थी को विद्यालयीन गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पाठ्यसहगामी गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उनके भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उल्लेखनीय है कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और उनके सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से संयंत्र के विभिन्न विद्यालयों में वर्षभर अनेक अंतर्शालेय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
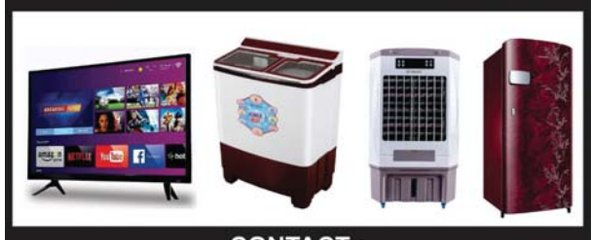
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर



सेवा सेतु से गंगोत्री को मात्र एक दिन में मिला आय प्रमाण पत्र

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। राज्य शासन की सेवा सेतु पहल के माध्यम से नागरिकों को आवश्यक शासकीय सेवाओं का त्वरित लाभ मिल रहा है। इसी कड़ी में जिले के गौरेला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बस्ती निवासी संग्राम सिंह की पुत्री गंगोत्री को स्कॉलरशिप फॉर्म भरने के लिए आवश्यक आय प्रमाण पत्र मात्र एक दिन में प्राप्त हुआ। गंगोत्री की शिक्षा के लिए आय प्रमाण पत्र की तत्काल आवश्यकता होने पर उनके पिता संग्राम सिंह ने ग्राम पंचायत बस्ती ब्लॉक पेंड्रा रोड स्थित स्थानीय सेवा सेतु केंद्र धनश्याम कंप्यूटर्स एंड चॉइस सेंटर में संपर्क किया। केंद्र के संचालक धनश्याम सोनी ने तत्परता से आवश्यक ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी कर मात्र एक दिन में आय प्रमाण पत्र तैयार कर हितग्राही को उपलब्ध कराया।

गांव में ही बिका 3850 क्विंटल मक्का, मंडी से भी ऊंचे दाम

जगदलपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) की पहल अब धरातल पर रंग लाने लगी है। बस्तर जिले के बकावंड और दरभा विकासखंड में बिहान के तहत गठित 10 एफपीओ किसान उत्पादक संगठन लक्ष्य दीप महिला कृषक प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड बकावंड और मांजूर पांखी प्रोड्यूसर कंपनी दरभा ने उत्पादक समूहों से जुड़े किसानों से 3850 क्विंटल मक्का की सीधी खरीदी की है। इस मक्के को बाद में सीधे स्थानीय व्यापारी श्सोमानी चंदन ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड को विक्रय किया गया, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और लाभकारी रही। किसानों को उनकी मेहनत का सही मूल्य दिलाने के उद्देश्य से गठित इन एफपीओ और उत्पादक समूहों के माध्यम से गांव में ही बाजार और मंडी दर से अधिक कीमत पर खरीदी की जा रही है। इस नई व्यवस्था से किसानों को सीधा लाभ हो रहा है।



मुख्यमंत्री ने की मुक्तेश्वर शिव की पूजा-अर्चना

- प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना
- छत्तीसगढ़ की विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है मुक्तेश्वर धाम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर जिले के धरसींवा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चरौदा स्थित ऐतिहासिक मुक्तेश्वर शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ की विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त कर प्रदेशवासियों के सुखी, समृद्ध और खुशहाल जीवन तथा छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती प्राचीन मंदिरों, धार्मिक आस्थाओं और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं से परिपूर्ण है। मुक्तेश्वर धाम जैसे ऐतिहासिक धार्मिक स्थल हमारी गौरवशाली विरासत और लोक आस्था के जीवंत प्रतीक हैं। ऐसे स्थलों से हमारी सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक एकता को मजबूती मिलती है।

प्राचीन बावली इस स्थान की ऐतिहासिक महत्ता को दर्शाती है। ग्रामीणों की आस्था और सामूहिक श्रमदान से इस मंदिर का पुनर्निर्माण हुआ है, और यहाँ पौष पूर्णिमा पर तीन दिवसीय मेला लगता है।

इस अवसर पर धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, पूर्व सांसद रणविजय सिंह जूदेव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ पर्यटन की धूम, अनछुए पर्यटन स्थलों और लोक संस्कृति ने जीता पर्यटकों का दिल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन की अपार संभावनाएं देशभर के आगंतुकों को आकर्षित कर रही हैं। रविवार के अवकाश के कारण व्यापार मेले में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों के बीच छत्तीसगढ़ पवेलियन विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा।



विशेष रूप से छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग के स्टॉल पर आगंतुकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बस्तर के अनछुए पर्यटन स्थलों की मनमोहक तस्वीरों, चित्रकोट जलप्रपात के आकर्षक प्रतिरूप, आधुनिक आभासी वास्तविकता तकनीक और छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति की जीवंत प्रस्तुतियों ने दिल्लीवासियों को छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विविधता से रूबरू कराया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में पर्यटन विकास को नई दिशा मिल रही है। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग द्वारा राज्य के प्रसिद्ध धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थलों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ पर्यटन की प्रभावशाली उपस्थिति राज्य की पर्यटन संभावनाओं को देशभर के पर्यटकों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है।

छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग के स्टॉल पर बस्तर अंचल के प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन की नई संभावनाओं को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया है। नक्सलवाद के प्रभाव से मुक्त हो रहे बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित मनोरम जलप्रपात, पर्वतीय स्थल, ऐतिहासिक धरोहर और जनजातीय संस्कृति के प्रति आगंतुकों ने विशेष रुचि दिखाई।

स्टॉल पर उपस्थित पर्यटन विभाग के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री प्रमिल वर्मा ने आगंतुकों को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों की विस्तृत जानकारी दी।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के बस्तर प्रवास तथा दीपावली मिलन से जुड़े प्रसंगों की जानकारी भी आगंतुकों को दी गई। बस्तर में शांति, सुरक्षा और विकास के साथ पर्यटन की बढ़ती संभावनाओं के प्रति लोगों ने उत्साह व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ के पर्यटन आकर्षण

नारायणपुर जिले के प्रसिद्ध हांदवाड़ा जलप्रपात, को बाहुबली जलप्रपात के नाम से भी जाना जाता है। घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच स्थित इस जलप्रपात की खूबसूरती ने पर्यटकों को विशेष रूप से प्रभावित किया।

इसी प्रकार दंतेवाड़ा जिले की ऊंची पहाड़ी पर स्थित प्राचीन ढोलकल गणेश प्रतिमा, बीजापुर जिले के नंबी जलप्रपात और कोंडागांव जिले के टाटामारी पर्यटन स्थल की जानकारी प्राप्त करने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग स्टॉल पर पहुंचे।

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा की अनूठी परंपराओं, जनजातीय आस्था और सांस्कृतिक विशेषताओं के बारे में जानकर आगंतुकों ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध विरासत की सराहना की।

पर्यटन स्टॉल पर छत्तीसगढ़ के धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों को भी प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। विशेष रूप से महान संत बाबा गुरु घासीदास की तपोभूमि गिरौदपुरी धाम में स्थित कुतुब मीनार से भी ऊंचे विशाल जैतखाम की भव्यता ने आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया।

छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग के स्टॉल पर विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात का आकर्षक प्रतिरूप आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है। भारत के नियाग्रा के नाम से प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात की सुंदरता को दर्शाने वाले इस प्रतिरूप के सामने तस्वीरें खिंचवाने और सेल्फी लेने के लिए लोगों में खासा उत्साह देखा गया।

पर्यटन विभाग द्वारा स्थापित आधुनिक वीआर जोन में भी आगंतुकों की भारी भीड़ रही। इस तकनीक के माध्यम से लोगों ने एक ही स्थान पर बैठकर छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों का सजीव अनुभव किया। विशेष उपकरणों के माध्यम से जलप्रपातों, प्राकृतिक दृश्यों और पर्यटन स्थलों का आभासी भ्रमण आगंतुकों के लिए रोमांचक अनुभव रहा। युवाओं और बच्चों ने इस तकनीक में विशेष रुचि दिखाई।

व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की मनमोहक प्रस्तुतियों ने भी दर्शकों का दिल जीत लिया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे लोक कलाकारों ने छत्तीसगढ़ी गीत-संगीत और नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। लोकधुनों की मधुरता और कलाकारों की ऊर्जावान प्रस्तुतियों पर दर्शक झूमते नजर आए।

भीड़ को चलते सांतरागाछी से मिराज जंक्शन से तक चलेगी वन-वे स्पेशल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छठ महापर्व के बाद यात्रियों की बढ़ती अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों को सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गाड़ी संख्या 01478 मिराज जंक्शन-सांतरागाछी वन-वे पूजा स्पेशल ट्रेन का एक ट्रिप के लिए संचालन करने का निर्णय लिया गया है।

यह विशेष ट्रेन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर एवं रायगढ़ स्टेशनों में ठहराव के साथ चलेगी ।

गाड़ी संख्या 01478 मिराज जंक्शन-सांतरागाछी वन-वे पूजा स्पेशल ट्रेन रविवार, दिनांक 22 नवम्बर 2026 को मिराज जंक्शन से 18.40 बजे प्रस्थान करेगी।

दूसरे दिन सोमवार, 23 नवंबर 2026 को गोंदिया आगमन 17.50 बजे, प्रस्थान 17.55 बजे, दुर्ग आगमन 19.55 बजे प्रस्थान 20.00 बजे, रायपुर आगमन 21.00 बजे प्रस्थान 21.05 बजे, बिलासपुर आगमन 23.05 बजे प्रस्थान 23.15 बजे, तीसरे दिन मंगलवार, 24 नवंबर 2026 को रायगढ़ आगमन 01.15 बजे, प्रस्थान 01.20 बजे होते हुए सांतरागाछी स्टेशन 13.00 बजे पहुंचेगी।



कोच संरचना: इस विशेष ट्रेन में कुल 19 कोच होंगे, जिनमें 08 शयनयान श्रेणी (स्लीपर), 09 सामान्य द्वितीय श्रेणी (जनरल) एवं 02 एसएलआरडी कोच शामिल हैं।

ठहराव: यह स्पेशल ट्रेन पंधारपुर, कुरदुवाड़ी, दौण्ड, अहिल्यानगर, बेलापुर, कोपरगाव, मनमाड़, भुसावल, बडनेरा, नागपुर, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, झारसुगुड़ा, राउरकेला, चक्रधरपुर, टाटानगर एवं खड़गपुर स्टेशनों में ठहराव के साथ चलेगी।

यात्रियों से आग्रह है कि वे इस विशेष ट्रेन की विस्तृत समय-सारणी एवं आरक्षण संबंधी जानकारी के लिए भारतीय रेल की आधिकारिक वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in, NTES ऐप अथवा रेल मदद हेल्पलाइन नंबर 139 पर संपर्क कर सकते हैं।

प्राइम लोकेशन पर बनेंगे व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स, बढ़ेगी निकाय की आय

अंबागढ़ चौकी। नगर पंचायत को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और राजस्व बढ़ाने के लिए अंबागढ़ चौकी की प्राइम लोकेशन पर व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स बनाने की कार्ययोजना तैयार की गई है। इससे निकाय की आमदनी बढ़ने के साथ स्थानीय युवाओं व व्यापारियों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

राज्य शासन ने बस स्टैंड के पास 20 डिसमिल रिक्त शासकीय भूमि नगर पंचायत को आवंटित कर दी है, जिससे निर्माण प्रक्रिया तेज हो गई है। नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल मानिकपुरी के मुताबिक वार्ड क्रमांक 9 में बस स्टैंड के समीप वन विभाग के पुराने एसडीओ कार्यालय का खंडहर भवन डिस्मेंटल कराने के बाद स्थल निरीक्षण किया गया। रायपुर से आई नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की आर्किटेक्ट टीम ने जमीन की नाप-जोख कर प्राक्कलन के लिए सर्वे किया। टीम ने अध्यक्ष, जनप्रतिनिधियों व उपयंत्री योगेश्वर सिंह ठाकुर के साथ तकनीकी सुझाव साझा किए। इस दौरान आशीष द्विवेदी, विमल यादव, नोहरूराम रजक, सैयद अजहरुद्दीन व नागरिक मौजूद थे।

'विश्व मात्स्यिकी दिवस' पर बस्तर में नीली क्रांति का आगाज, संभाग स्तरीय सम्मेलन

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। मत्स्यपालन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था, स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बनाने के उद्देश्य से जगदलपुर के टाउन हॉल में शनिवार को संभाग स्तरीय 'विश्व मात्स्यिकी दिवस' का भव्य और गरिमामयी आयोजन किया गया। एक दिवसीय मत्स्य किसान संगोष्ठी व सम्मान समारोह में बस्तर संभाग के सभी सात जिलों से पहुंचे मछुआ सहकारी समितियों, मछुआ समूहों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं, प्रगतिशील मत्स्यपालक कृषकों और विभागीय अमले ने उत्साह के साथ सहभागिता की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत बस्तर की अध्यक्ष वेदवती कश्यप तथा अति विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी मंचासीन रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि स्थायी समिति के सभापति कामदेव बघेल, जिला पंचायत सदस्य निर्देश दीवान और जनपद पंचायत बस्तर की सदस्य श्रीमती करुणा ने शिरकत की।



मत्स्यपालन के उपसंचालक मोहन लाल राणा ने स्वागत उद्बोधन में विश्व मात्स्यिकी दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए मत्स्य पालन को आजीविका व रोजगार सृजन का प्रभावी माध्यम बताया। तकनीकी सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने किसानों की आय बढ़ाने के व्यावहारिक व वैज्ञानिक उपाय साझा किए। कृषि विज्ञान केंद्र दंतेवाड़ा के प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री ओम प्रकाश ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाले तिलापिया और झींगा पालन की आधुनिक तकनीकों, तालाब प्रबंधन तथा मत्स्य उत्पादन में वृद्धि के वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी दी। दंतेवाड़ा के सहायक संचालक मत्स्यपालन वाईके देवांगन ने उन्नत तकनीकों और विभागीय योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया बताई। इस दौरान संभाग के सातों जिलों के प्रगतिशील कृषकों ने मंच से अपने नवाचार और अनुभव साझा किए।पशुधन विकास विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. डीके नेताम ने मत्स्यपालन के साथ एकीकृत कुक्कुटपालन अपनाने पर विशेष जोर दिया।

इस समारोह का विशेष आकर्षण उत्कृष्ट कार्य करने वाली समितियों का प्रोत्साहन और हितग्राहियों को सामग्री वितरण रहा। छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण 2026 राज्य अलंकरण व राज्योत्सव के अंतर्गत प्रतिष्ठित 'ठाकुर प्यारेलाल पुरस्कार' से सम्मानित लोहंडीगुड़ा विकासखंड के ग्राम चित्रकोट की प्राथमिक कुड़ुक मछुआ एवं नौका विहार समिति को उनकी गौरवशाली उपलब्धि पर अतिथियों ने विशेष रूप से सम्मानित किया। इसके साथ ही समिति अनुदान योजनांतर्गत बस्तर जिले की 3 मछुआ सहकारी समितियों को मत्स्य आखेट के लिए जाल वितरित किए गए तथा मत्स्य पालकों व समितियों को आवश्यक उपकरण व अन्य सामग्री प्रदान की गई। पशुपालन विभाग की ओर से भी हितग्राहियों को पशुपालन मैत्री किट वितरित की गई।

गेंदा से लाखों की कमाई, रोजाना 12-15 गाड़ी उत्पादन

- छत्तीसगढ़ के साथ ओडिशा के कई जिलों तक फूलों की आपूर्ति
- 15 से 20 ग्रामीणों को मिल रहा नियमित रोजगार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खेती में नई सोच, मेहनत और बाजार की मांग के अनुरूप बदलाव किया जाए तो इसे बेहतर आमदनी का जरिया बनाया जा सकता है। फूलों की खेती पारंपरिक फसलों की तुलना में कम समय और कम लागत में अधिक मुनाफा दे सकती है, साथ ही यह परागण और प्राकृतिक कीट नियंत्रण में मदद करती है। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के लैलूंगा विकासखंड के ग्राम-कोड़केल निवासी किसान विद्याधर पटेल ने इसे अपनी मेहनत और अनुभव से साबित किया है।

वर्ष 2007-08 से गेंदा फूल की खेती कर रहे विद्याधर आज 7 से 8 एकड़ में इसका उत्पादन कर रहे हैं। आज उनके खेतों में तैयार



गेंदा फूल छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ पड़ोसी राज्य ओडिशा तक पहुंच रहा है। इस खेती से वे स्वयं बेहतर आमदनी अर्जित करने के साथ स्थानीय लोगों को रोजगार भी उपलब्ध करा रहे हैं।

विद्याधर पटेल बताते हैं कि वे वर्ष 1994-95 से सब्जी- भाजी की खेती कर रहे थे। इस दौरान रायपुर और रायगढ़ में आयोजित कृषि प्रदर्शनियों में गमलों के माध्यम से सब्जियों की खेती का प्रदर्शन भी करते थे। इन्हीं प्रदर्शनियों में गेंदा फूल की अच्छी मांग और बिक्री देखकर उनके मन में इसकी व्यावसायिक खेती शुरू करने का विचार आया। वर्ष 2007-08 में उन्होंने गेंदा फूल की खेती शुरू की और धीरे-धीरे इसका रकबा बढ़ाते चले गए।

शुरुआती दौर में गेंदा फूल की खेती के दौरान उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। पहले खुले खेत में पौधे तैयार करते थे, लेकिन कई बार बीज का अंकुरण ठीक से नहीं होने के कारण दोबारा बीज मंगाकर बुवाई करनी पड़ती थी। इससे पौधे तैयार होने में देरी होती और दशहरा-दीपावली के प्रमुख सीजन में फूल बाजार तक नहीं पहुंच पाते थे। वहीं, समय पर बिक्री नहीं होने से फूल खराब होने और लागत डूबने का खतरा भी रहता था। इस समस्या का समाधान निकालते हुए उन्होंने पॉलीबैग में पौधे तैयार करना शुरू किया। इसका फायदा यह हुआ कि दीपावली के दौरान फूलों की बिक्री नहीं होने पर भी बाद में उन्हें बाजार में बेचा जा सकता है। इस तकनीक से उत्पादन और बिक्री के बीच बेहतर तालमेल बना और नुकसान की आशंका कम हुई।

विद्याधर के अनुसार, गेंदा फूल की खेती में एक एकड़ से लगभग 5 लाख रुपये तक की बिक्री होती है, जबकि 1.5 लाख तक लागत आती है। दशहरा से दीपावली तक फूलों की सर्वाधिक मांग रहती है। इसी अवधि को ध्यान में रखकर वे उत्पादन और बिक्री की तैयारी करते हैं। सिंचाई के लिए उनके पास दो निजी बोरवेल हैं।

जन समस्याओं के त्वरित समाधान का माध्यम बनी सीएम हेल्पलाइन 1076

रायगढ़। जिले के धरमजयगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम कुमा में बंद पड़े सोलर ड्यूल पंप की शिकायत का त्वरित निराकरण किया गया। पंप की तकनीकी खराबी दूर कर उसे दोबारा चालू कराया गया, जिससे ग्रामीणों को पेयजल की सुविधा मिलने लगी है। सुरेश राठिया ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत पेयजल व्यवस्था के लिए स्थापित सोलर ड्यूल पंप के अकार्यशील होने की शिकायत सीएम हेल्पलाइन 1076 पर दर्ज कराई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए क्रेडा जिला कार्यालय रायगढ़ के अधिकारी श्री विक्रम वर्मा ने तत्काल संज्ञान लिया और तकनीकी टीम के माध्यम से पंप का जांच कराया। जांच उपरांत पंप में तकनीकी खराबी पाए जाने पर क्रेडा के मैकेनिक द्वारा तत्काल सुधार कार्य कराया गया।







अमेरिका में कम होने लगा रणबीर की फिल्म का जादू? टिकट ब्रिकी में गिरावट के बाद 700 स्क्रीन्स से हटी

भारत के बॉक्स ऑफिस पर जहां नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' को फिर से बढ़त मिली है, वहीं अमेरिका में फिल्म के टिकटों की बिक्री में गिरावट देखने को मिली है। इस बीच खबर है कि फिल्म को मिलने वाली स्क्रीन्स की संख्या में भारी कमी आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार तीसरे हफ्ते में बॉक्स ऑफिस कलेक्शन घटने के बाद, इस बड़े बजट वाली फिल्म को लगभग 700 थिएटर्स से हटा दिया जाएगा।

कोलाइडर के मुताबिक अमेरिका में यह फिल्म शुरुआत में 1400 से ज्यादा सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि दूसरे हफ्ते में ही इसे 300 से ज्यादा स्क्रीन्स से हटा दिया गया। अब शुक्रवार से थिएटर्स की संख्या घटकर 681 रह जाने की उम्मीद है, जो कि शुरुआती रिलीज के मुकाबले 700 से ज्यादा थिएटर्स की कमी को दर्शाता है।

इन फिल्मों को छोड़ा पीछे

स्क्रीन्स में यह कमी तब आई है जब 'रामायण' ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 150 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। इस कमाई के साथ यह फिल्म 2023 की 'आरआरआर' और इस साल की हॉलीवुड फिल्मों जैसे 'सुपरगर्ल' और 'मोर्टल कॉम्बैट ढ्ढढ्ढ' से आगे निकल गई है।

फिल्म ने दुनिया भर में शानदार कमाई की है लेकिन इसका प्रोडक्शन बजट 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर बताया जा रहा है। इसका मतलब यह है कि अपनी लागत वसूलने के लिए फिल्म को अभी और कमाई करनी होगी। इंडस्ट्री के जानकारों के अनुसार, इतने बड़े बजट वाली फिल्म को अपनी लागत निकालने के लिए, अपने प्रोडक्शन बजट से लगभग दोगुनी कमाई करनी पड़ती है।

रामायण: राइज ऑफ अ लेजेंड' का बजट

'रामायण: राइज ऑफ अ लेजेंड' दो भागों वाली फिल्म श्रृंखला का पहला हिस्सा है। फिल्म के निर्माता नमित मल्होत्रा के अनुसार इन दोनों भागों का कुल बजट 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है। दिवाली से ठीक पहले रिलीज होने के कारण इस फिल्म को त्योहारों वाले हफ्ते का फायदा मिला। इसने दुनिया भर में 150 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई का आंकड़ा भी पार कर लिया है।

18वें दिन 'रामायण' की कमाई?

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म 'रामायण' ने 18वें दिन भी जबरदस्त कमाई जारी रखी है। दूसरे वीकएंड पर फिल्म की कमाई जबरदस्त उछाल आया है। शनिवार को फिल्म ने 27.76 करोड़ रुपये कमाए थे। रविवार को फिल्म ने 35.60 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। इस तरह फिल्म का भारत में कुल नेट कलेक्शन 942.75 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं भारत में इसका ग्रॉस कलेक्शन 1,126.50 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

'रामायण' का वर्ल्डवाइड कलेक्शन?

रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' जहां भारत में अच्छी कमाई कर रही है, वहीं यह दुनियाभर में भी यह नए रिकॉर्ड बना रही है। विदेशों में फिल्म ने अब तक 567 करोड़ रुपये की कमाई की है। इस तरह फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1693.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। यह फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सबसे तेजी से 900 करोड़ रुपये कमाने वाली तीसरी भारतीय फिल्म बन गई है। इस मामले में फिल्म से आगे अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2: द रूल' और रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' हैं।



'कॉफी विद करण' शो पर स्क्रिप्टेड होने का आरोप :शनाया कपूर की वैनिटी टेबल पर दिखा स्क्रिप्ट जैसा कागज

फिल्ममेकर करण जौहर के चर्चित चैट शो 'कॉफी विद करण' पर स्क्रिप्टेड होने के आरोप लग रहे हैं। दरअसल, शो के छठे एपिसोड में मेहमान बनीं अभिनेत्री शनाया कपूर की एक वैनिटी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसमें टेबल पर 'रैपिड फायर: शनाया कपूर' लिखा एक कागज दिखने के बाद यूजर्स शो के स्क्रिप्टेड होने का आरोप लगा रहे हैं। हालांकि, वायरल तस्वीर में कागज पर नीचे की ओर लिखे गए बारीक अक्षरों को पढ़ पाना संभव नहीं है। ऐसे में इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है की ये स्क्रिप्ट है।

वायरल हो रही तस्वीर में शनाया कपूर मेकअप करवाती नजर आ रही हैं और उनके सामने वैनिटी टेबल पर एक कागज रखा है। इस कागज पर बड़े अक्षरों में 'रैपिड फायर: शनाया कपूर' लिखा है, जबकि इसके नीचे बेहद महीन अक्षरों में काफी कुछ दर्ज है। इस तस्वीर के सामने आने के बाद इंटरनेट पर बहस तेज हो गई है। कई दर्शकों ने नाराजगी जताते हुए सवाल उठाया कि वे इतने सालों से जिस रैपिड फायर राउंड को मजेदार जवाबों का हिस्सा मान रहे थे, क्या वह पहले से तय स्क्रिप्ट होती है। कुछ यूजर्स ने इसे दर्शकों के साथ धोखा करार दिया है। वहीं कुछ यूजर्स का तर्क है कि किसी भी चैट शो में मेहमानों को पहले से कुछ पॉइंट्स की जानकारी देने का मतलब यह नहीं है कि पूरा शो स्क्रिप्टेड है।

हालांकि, वायरल तस्वीर में कागज पर नीचे की ओर लिखे गए महीन अक्षरों को पढ़ पाना संभव नहीं है। ऐसे में इस बात की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है कि उस कागज पर रैपिड फायर के सवाल-जवाब लिखे थे या फिर यह सिर्फ सामान्य नोट्स थे। इस पूरे विवाद पर अभी तक शो के होस्ट करण जौहर या अभिनेत्री शनाया कपूर की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

छठे एपिसोड में अनन्या पांडे और अनन्या बिड़ला के साथ पहुंची थीं शनाया

शनाया कपूर हाल ही में अपनी वेब सीरीज 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर: आफ्टर डार्क' की चर्चाओं के बीच 'कॉफी विद करण सीजन 9' के छठे एपिसोड में शामिल हुई थीं। यह शो में उनका पहला अनुभव था। इस एपिसोड में उनके साथ अभिनेत्री अनन्या पांडे और अनन्या बिड़ला भी मेहमान बनकर पहुंची थीं।

सद्गुरु के सामने नतमस्तक हुईं अभिनेत्री तमन्ना भाटिया, पैर छूकर लिया आशीर्वाद



बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया अपनी खूबसूरती और शानदार एक्टिंग के साथ-साथ अपनी धार्मिक आस्था को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस को कई बार भगवान शिव की भक्ति में लीन देखा गया है। अब एक बार फिर तमन्ना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लेती नजर आ रही हैं। उनका यह अंदाज लोगों का ध्यान खींच रहा है।

दरअसल, 22 नवंबर को मुंबई में सद्गुरु की फोटो एस्से बुक 'डिसअपीयरिंग फेसेस' के लॉन्च का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में तमन्ना भाटिया भी पहुंची थीं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि सद्गुरु जैसे ही अपनी टीम के साथ कार्यक्रम में पहुंचते हैं, तमन्ना उनके पास जाती हैं और पहले झुककर उनके पैर छूती हैं। इसके बाद दोनों कुछ देर बातचीत करते नजर आते हैं। इस दौरान फैशन डिजाइनर नीता लुल्ला भी उनके साथ दिखाई देती हैं।

कई खास कार्यक्रमों का हिस्सा बने सद्गुरु

सद्गुरु की किताब के लॉन्च का यह कार्यक्रम सिर्फ किताब के विमोचन तक सीमित नहीं था। इसकी शुरुआत एक फोटो गैलरी के वॉकथ्रू से हुई। इसके बाद सद्गुरु, तमन्ना भाटिया और फिल्ममेकर विशाल भारद्वाज के बीच बातचीत का सेशन हुआ। कार्यक्रम में किताब पर ऑटोग्राफ देने का सेशन भी रखा गया था।

भगवान शिव की भक्त हैं तमन्ना भाटिया

तमन्ना का सद्गुरु के पैर छूकर आशीर्वाद लेना उनके आध्यात्मिक झुकाव को देखते हुए कोई नई बात नहीं है। एक्ट्रेस कई मौकों पर भगवान शिव के प्रति अपनी श्रद्धा जाहिर कर चुकी हैं। वह कोयंबटूर स्थित सद्गुरु के ईशा योग केंद्र भी जाती रहती हैं। तमन्ना यहां महाशिवरात्रि के आयोजन में भी शामिल हो चुकी हैं और प्रसाद चढ़ाने की रस्म में हिस्सा ले चुकी हैं। उनकी भगवान शिव के प्रति आस्था का असर उनके फिल्मी किरदारों में भी देखने को मिला है। तमन्ना तेलुगु फिल्म 'ओडेला 2' में भगवान शिव की भक्त के किरदार में नजर आई थीं।

सेहत की बात: सर्दियों में इम्युनिटी बढ़ाने वाले 5 सस्ते सुपरफूड्स, 20 रुपये से भी कम में मिलेंगी ये चीजे

सर्दियों में शरीर को स्वस्थ रखना किसी चुनौती से कम नहीं होता। ठंड के मौसम में सर्दी-जुकाम, खांसी और मौसमी संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में खानपान पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। अक्सर लोग इम्युनिटी मजबूत करने के लिए महंगे ड्राई फ्रूट्स, हेल्थ सप्लीमेंट्स और महंगे फूड्स खरीदते हैं, लेकिन अच्छी सेहत के लिए हमेशा ज्यादा पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं होती।

हमारे आसपास कई ऐसी सस्ती चीजें मौजूद हैं, जो पोषक तत्वों से भरपूर हैं और शरीर को जरूरी पोषण देने में मदद कर सकती हैं। खास बात यह है कि इनमें से कुछ खाद्य पदार्थ 20 रुपये से भी कम कीमत में आसानी से मिल जाते हैं। आइए जानते हैं सर्दियों के ऐसे 5 किफायती सुपरफूड्स के बारे में, जिन्हें रोजाना की डाइट में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।



पालक

सर्दियों में पालक आसानी से बाजार में मिल जाता है। यह आयरन, फोलेट, विटामिन ए, विटामिन ष्ट और एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्रोत है। पालक का सेवन जरूरी पोषक तत्व देता है।

फायदे :

शरीर में पोषक तत्वों की कमी पूरी करने में मददगार। आंखों की सेहत के लिए फायदेमंद। इम्यून सिस्टम के सामान्य कामकाज को सपोर्ट करता है।

शकरकंद

शकरकंद सर्दियों में मिलने वाला स्वादिष्ट और पौष्टिक खाद्य पदार्थ है। इसमें फाइबर, पोटैशियम और बीटा-कैरोटीन पाया जाता है। इसे उबालकर या भूनकर खाया जा सकता है।

फायदे

शरीर को ऊर्जा देने में मदद करता है। पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में सहायक है। विटामिन ए का अच्छा स्रोत है।

लहसुन

लहसुन भारतीय रसोई में आसानी से मिलने वाला खाद्य पदार्थ है। इसमें सल्फर युक्त यौगिक जैसे एलिसिन पाए जाते हैं। इसका इस्तेमाल दाल, सब्जी और सूप में किया जा सकता है।

फायदे

इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है। संतुलित डाइट का हिस्सा बनकर सेहत को सपोर्ट करता है।

मूंग दाल

मूंग दाल सस्ती होने के साथ-साथ प्रोटीन और फाइबर का अच्छा स्रोत है। सर्दियों में इसका सेवन दाल, खिचड़ी या सूप के रूप में किया जा सकता है।

फायदे

शरीर को प्रोटीन प्रदान करती है। पाचन के लिए फायदेमंद है। मांसपेशियों के रखरखाव में मदद करती है।

संतरा

सर्दियों में संतरा आसानी से उपलब्ध होने वाला मौसमी फल है। इसमें विटामिन ष्ट, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता के सामान्य कामकाज को बनाए रखने में मदद करता है।

फायदे

विटामिन ष्ट का अच्छा स्रोत है। आयरन के अवशोषण में मदद करता है। त्वचा और शरीर की सेहत के लिए फायदेमंद है।



ओटीटी रिलीज: हनुमान अंश' से 'ढाई चाल' तक ये फिल्में-सीरीज देंगी दस्तक



सिनेमाघर गुलजार हैं। 'रामायण' फिल्म ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। धनुष और साई पल्लवी की फिल्म 'ओम' भी थिएटर्स में सज चुकी है। दूसरी तरफ ओटीटी पर भी मनोरंजन का धमाका हो रहा है।

'हनुमान अंश'

इस साल अपने करिश्माई बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से हर किसी को चौंकाने वाली यह फिल्म अब ओटीटी पर आ रही है। इसे दर्शक 27 नवंबर से सोनी लिव पर देख सकेंगे। यह नीब करौरी बाबा के जीवन से प्रेरित आध्यात्मिक बायोपिक ड्रामा फिल्म है।

'ढाई चाल'

यह एक स्टूडेंट-पॉलिटिकल ड्रामा सीरीज है। इसमें गगन अरोड़ा और आदिल खान अहम भूमिका में हैं। इस सीरीज का प्रीमियर 27 नवंबर 2026 से जियो हॉटस्टार पर होगा। बता दें कि 'ढाई चाल' सीरीज की कहानी लेखक नवीन चौधरी के बेस्टसेलर उपन्यासों 'जनता स्टोर' और 'ढाई चाल' पर आधारित है।

'ब्लेड रनर 2099'

यह एक साई-फाई सीरीज। आठ एपिसोड वाली यह सीरीज 25 नवंबर 2026 से प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। यह ब्लेड रनर (1982) और ब्लेड रनर 2049 (2017) फिल्मों की अगली कड़ी है।

'द हंचबैक, सोल ऑफ पेरिस'

यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसका निर्देशन जीन फ्रांस्वा रिशे ने किया है। विंसेंट कैसल, करीम लेक्लू और डैफ्ने पाटाकिया इसमें अहम भूमिकाओं में हैं।

'द सोशल रेकनिंग'

यह फिल्म 09 अक्तूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब ओटीटी पर आने वाली है। यह फिल्म हिंदी और अंग्रेजी भाषा में 24 नवंबर से प्राइम वीडियो पर उपलब्ध होगी। हालांकि, फिलहाल इसके लिए जेब ढीली करनी होगी।

खास-खबर



स्वास्थ्य मंत्री श्याम जायसवाल ने किया बेरला स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बेरला का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र में दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सा सुविधाओं और मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। श्री जायसवाल ने संबंधित अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं में आवश्यक सुधार करने और मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।



मुख्यमंत्री ने राधा-कृष्ण मंदिर में की पूजा-अर्चना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पमशाला में ईब नदी के तट पर स्थित श्री राधा-कृष्ण मंदिर (कंवर धाम) में आयोजित कार्तिक मास के भजन-कीर्तन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने अपनी धर्मपत्नी एवं कंवर समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कौशल्या साय के साथ भगवान श्री राधा-कृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय और श्रीमती कौशल्या साय ने श्रद्धालुओं एवं कीर्तन मंडलियों के साथ मंजीरा बजाकर भजन-कीर्तन में सहभागिता की। भगवान श्री राधा-कृष्ण के भजनों और संकीर्तन से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा।

जशपुर जिले में 49 उपार्जन केंद्रों पर धान खरीदी जारी

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जा रही है। किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। इस वर्ष किसानों की सुविधा के लिए जशपुर जिले में तीन नए धान उपार्जन केंद्र भी प्रारंभ किए गए हैं। इससे किसानों को अपने नजदीकी केंद्रों में धान बेचने की सुविधा मिलने के साथ ही आवागमन में लगने वाले समय और खर्च की बचत होगी। जशपुर जिले के 49 केंद्रों में धान खरीदी की व्यवस्था की गई है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के छत्तीसगढ़ पवेलियन में दुर्लभ पांडुलिपियों व ताम्रपत्रों का प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

नई दिल्ली/रायपुर। भारत व्यापार संवर्धन संगठन द्वारा आयोजित 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की झलक दिख रही है। भारत मंडपम के हॉल नंबर 4 के प्रथम तल पर 1,000 वर्ग मीटर में फैले छत्तीसगढ़ पवेलियन में राज्य के पुरातत्व विभाग द्वारा दुर्लभ पांडुलिपियों, ताम्रपत्रों और ऐतिहासिक अभिलेखों का प्रदर्शन किया जा रहा है। आचार्य रमेंद्रनाथ मिश्र के संग्रह से जुड़ी ये धरोहरें प्रदर्शनी में विशेष आकर्षण बनी हुई हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 20 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में शामिल हुए और छत्तीसगढ़ पवेलियन का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि जिस बस्तर और छत्तीसगढ़ की चर्चा कभी नक्सलवाद और चुनौतियों के संदर्भ में होती थी, आज वही प्रदेश अपनी समृद्ध जनजातीय विरासत, जीवंत लोक संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य और विकास की नई संभावनाओं के साथ देश-दुनिया के सामने नई पहचान बना रहा है। व्यापार मेले में नजर आया



छत्तीसगढ़ का स्वरूप इसी बदलते दौर की कहानी बयां कर रहा है।

इस प्रदर्शनी में कल्चुरि काल की औषधीय पांडुलिपियां व ताम्रपत्र, रतनपुर के कल्चुरि काल में रचित खूब तमाशा और नासकेत नामक औषधीय पांडुलिपियां प्रदर्शित की गई हैं। इसके साथ ही रायपुर के कल्चुरि राजवंश के अंतिम शासक अमर सिंह देव द्वारा जारी 1735 ईस्वी का ताम्रपत्र भी रखा गया है, जो क्षेत्र के राजनीतिक और प्रशासनिक इतिहास का अहम साक्ष्य है। गढ़ामंडल की वीरांगना रानी दुर्गावती के युग से संबंधित स्वर्णाक्षरित दुर्लभ पाण्डुलिपि इस प्रदर्शनी का एक महत्वपूर्ण आकर्षण है। रामायण विषयक दुर्लभ पांडुलिपि गोस्वामी तुलसीदास की शिष्य परंपरा से संबंधित सुषेनदास महाराज की दुर्लभ पांडुलिपि भी प्रदर्शनी में शामिल है।

बाबू रेवाराम छत्तीसगढ़ के एक अत्यंत प्रतिष्ठित इतिहासकार, कवि और विद्वान थे, जिन्होंने रतनपुर को अपनी कर्मभूमि बनाया। उनके इस ग्रंथ से छत्तीसगढ़ के हैहैय वंशी (कलचुरी) राजाओं के इतिहास और उनके शासनकाल के बारे में अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रामाणिक जानकारियां मिलती हैं।

दंतेवाड़ा में जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक का शुभारंभ, 1 हजार 58 खिलाड़ी दिखा रहे खेल प्रतिभा

बस्तर में शांति और सुरक्षा के वातावरण से खुल रही नए अवसर की संभावनाएं - कश्यप

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। बस्तर अंचल के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा निखारने और आगे बढ़ने के लिए बस्तर ओलंपिक एक सशक्त मंच के रूप में उभर रहा है। दंतेवाड़ा में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक का आज शुभारंभ हुआ, जिसमें 11 खेल विधाओं के तहत कुल 1,058 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।



वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने दंतेवाड़ा के हाई स्कूल खेल मैदान में इस प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने तीरंदाजी और बालक वर्ग की 400 मीटर दौड़ की शुरुआत कराकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर में शांति और सुरक्षा के बेहतर वातावरण के चलते क्षेत्र के युवाओं के लिए नए अवसर और संभावनाएं खुल रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप प्रदेश के युवाओं को खेलों से जोड़ने, उन्हें बेहतर प्रशिक्षण देने और आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

श्री कश्यप ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास, एकता और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रदर्शन करने तथा खेल के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने का आह्वान किया।

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि 1 से 4 नवंबर तक आयोजित विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ी जिला स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विकासखंड स्तर पर कुल 18 हजार 551 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें 9 हजार 251 पुरुष और 9 हजार 3 सौ महिलाएं शामिल रहीं, जो खेल आयोजनों में महिलाओं की सक्रिय और बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। वहीं, जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 11 विधाओं के अंतर्गत 1 हजार 58 खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस अवसर पर विधायक चौतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविंद कुंजाम, नपा अध्यक्ष पायल गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में खिलाड़ी मौजूद रहे।

उन्नत और बहुफसली खेती से खुशहाल हुआ सेठिया का परिवार



श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। बस्तर जिले के तोकापाल विकासखंड अंतर्गत ग्राम राजूर के किसान फूलसिंह सेठिया परंपरागत धान की खेती के साथ रबी सीजन में मक्का और साग-सब्जियों का उत्पादन कर न केवल अपनी आमदनी बढ़ा रहे हैं, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत बना रहे हैं। सीमित कृषि भूमि का बेहतर उपयोग और सालभर खेती से जुड़े रहकर उन्होंने आत्मनिर्भरता की एक प्रेरक मिसाल पेश की है।

फूलसिंह के पास तीन एकड़ पैतृक कृषि भूमि है। खरीफ सीजन में वे श्री विधि से धान की उन्नत खेती करते हैं, जिससे उन्हें अच्छी पैदावार प्राप्त होती है। इस वर्ष वे 38 क्विंटल धान लिंकिंग के माध्यम से विक्रय कर रहे हैं। पिछले वर्ष उन्होंने 32 क्विंटल धान विक्रय किया था।

फूलसिंह के खेत में स्थापित नलकूप उनके लिए अतिरिक्त आय का महत्वपूर्ण आधार बना है। सिंचाई की सुविधा मिलने से वे खरीफ सीजन के बाद खेत खाली नहीं छोड़ते, बल्कि रबी सीजन में मक्का और विभिन्न प्रकार की साग-सब्जियों की खेती करते हैं।

साग-सब्जियों को वे तोकापाल, रायकोट और डिलमिली के स्थानीय बाजारों में बेचते हैं। इससे उन्हें करीब तीन लाख रुपए की आय प्राप्त होती है। धान, मक्का और सब्जी उत्पादन से होने वाली आमदनी का उपयोग वे परिवार के भरण-पोषण, दैनिक जरूरतों और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर करते हैं।

फूलसिंह ने राज्य शासन की कृषक उन्नति योजना के तहत प्रति एकड़ 13,839 रुपए की आदान सहायता प्रदान करने के निर्णय को किसानों के हित में महत्वपूर्ण और सार्थक पहल बताया है।

मुख्यमंत्री ने जशपुर के पमशाला में 1.97 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पमशाला में 1 करोड़ 97 लाख 56 हजार रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें महतारी सदन, सामुदायिक भवन, सड़क और पुलिया निर्माण के कार्य शामिल हैं। इन विकास कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होने के साथ ही महिलाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर ग्राम गंझियाडीह, उपरकछार, सिकिरमा और अंबाकछार में 30-30 लाख रुपये की लागत से बनने वाले चार महतारी सदनों का भूमिपूजन किया। कुल 1 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से बनने वाले ये महतारी सदन ग्रामीण महिलाओं के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र बनेंगे। यहां महिलाओं को एक साथ बैठकर विभिन्न गतिविधियों के संचालन, आपसी संवाद और स्वरोजगार से जुड़ी पहल को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा।

नीमच की तर्ज पर धमतरी में विकसित होगी वनौषधि मण्डी

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। जिले में औषधीय फसलों के उत्पादन एवं लघु वनोपज संग्रहण से जुड़े किसानों और संग्राहकों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने तथा औषधीय उत्पादों के व्यवस्थित व्यापार को बढ़ावा देने की दिशा में वनौषधि मण्डी धमतरी को आधुनिक एवं आदर्श मण्डी के रूप में विकसित करने की पहल की जा रही है।

इसी उद्देश्य से कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार तथा उप संचालक कृषि, धमतरी के मार्गदर्शन में अधिकारियों के दल ने 17 से 20 नवंबर 2026 तक नीमच स्थित एशिया की प्रमुख औषधीय मण्डियों में शामिल औषधीय मण्डी का अध्ययन सह भ्रमण किया।

उल्लेखनीय है कि जिले एवं छत्तीसगढ़ राज्य के औषधीय फसल उत्पादक किसानों तथा लघु वनोपज संग्राहकों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 12 अक्टूबर 2026 को नवीन कृषि उपज मण्डी,



श्यामतराई, धमतरी में वनौषधि मण्डी का शुभारंभ किया गया है। इस मण्डी की स्थापना का मुख्य उद्देश्य औषधीय फसलों एवं लघु वनोपज के क्रय-विक्रय को व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करना, किसानों एवं संग्राहकों को प्रतिस्पर्धात्मक बाजार उपलब्ध कराना तथा उनकी उपज का उचित एवं लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी व्यवस्था विकसित करना है।

अध्ययन भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने नीमच औषधीय मण्डी में विभिन्न औषधीय एवं कृषि उत्पादों की आवक, संकलन, वर्गीकरण, नीलामी तथा विपणन की प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया।

अश्वगंधा, चिया सीड्स, अकरकरा, सर्पगंधा, कालमेघ, क्विनोआ, अजवाइन, कलौंजी एवं अम्बाड़ी सहित विभिन्न उत्पादों के व्यापारिक स्वरूप और बाजार व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। दल ने यह भी समझा कि किस प्रकार व्यवस्थित नीलामी, व्यापारियों की सहभागिता और पारदर्शी क्रय-विक्रय प्रणाली के माध्यम से उत्पादकों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराया जा सकता है।

भ्रमण दल ने नीमच मण्डी के सचिव, मण्डी निरीक्षकों, उप निरीक्षकों, व्यापारियों एवं औषधीय फसल उत्पादक किसानों से चर्चा कर मण्डी के दैनिक संचालन, आवक पंजीयन, नीलामी प्रक्रिया, भुगतान व्यवस्था, गुणवत्ता परीक्षण तथा व्यापारिक गतिविधियों के प्रबंधन की जानकारी प्राप्त की। साथ ही मण्डी के सुचारू संचालन में विभिन्न हितधारकों की भूमिका का भी अध्ययन किया।

मुख्यमंत्री साय की संवेदनशीलता से पटवारियों की हड़ताल स्थगित, समिति गठन के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल और सकारात्मक संवाद के बाद छत्तीसगढ़ पटवारी संघ ने अपनी राज्यव्यापी हड़ताल स्थगित करने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुख्यमंत्री निवास में पटवारी संघ के पदाधिकारियों की औपचारिक मुलाकात हुई। पटवारी संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से चर्चा करते हुए अपनी मांगों के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने उनकी समस्याओं को पूरे धैर्य और सहानुभूति के साथ सुना। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कर्मचारियों की उचित मांगों का समाधान संवाद और आपसी समझ से ही होना चाहिए। राज्य सरकार अपने कर्मचारियों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पटवारियों की वेतन विसंगति एवं पदोन्नति संबंधी मांगों के परीक्षण के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिए। यह समिति संबंधित मांगों के विभिन्न पहलुओं का परीक्षण कर उनके निराकरण के संबंध में अपनी अनुशंसाएं प्रस्तुत करेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने हड़ताल अवधि में हुई कार्यवाहियों के सम्बन्ध में सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान संवाद और आपसी समझ के माध्यम से किया जाना चाहिए। राज्य सरकार कर्मचारियों की उचित मांगों और समस्याओं के निराकरण के प्रति संवेदनशील है।

छत्तीसगढ़ पटवारी संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा उनकी मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाने तथा उच्चस्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिए जाने पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है ।

मुख्यमंत्री साय का जनदर्शन 26 नवंबर को

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जनदर्शन कार्यक्रम 26 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री निवास, सिविल लाइन, रायपुर में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित जनदर्शन में मुख्यमंत्री साय आमजनों से सीधे मुलाकात कर उनकी समस्याएं एवं मांगें सुनेंगे। मुख्यमंत्री जनदर्शन के दौरान नागरिकों की समस्याओं से रूबरू होंगे तथा उनके त्वरित एवं यथोचित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। जनदर्शन में आमजन अपनी समस्याओं, मांगों और सुझावों को मुख्यमंत्री निवास में सीधे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के समक्ष रख सकेंगे।

गरियाबंद में रोजगार मेला 30 नवंबर को

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग तथा संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण के निर्देशानुसार जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, गरियाबंद द्वारा 30 नवंबर 2026 (सोमवार) को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेला जिला रोजगार कार्यालय परिसर में प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा। इस रोजगार मेले के माध्यम से निजी प्रतिष्ठानों ग्लोबल एच.आर. सॉल्यूशन एंड जॉब कंसल्टेंट लिमिटेड, दुर्ग तथा स्वतंत्र माइक्रो फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर में उपलब्ध कुल 230 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें असिस्टेंट मैनेजर, डिप्टी मैनेजर, सिक्योरिटी गार्ड एवं फील्ड ऑफिसर के पद शामिल हैं।

दंतेवाड़ा में बनेगी जनजातीय गौरव वाटिका - केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। दंतेवाड़ा जिले में जनजातीय गौरव वाटिका विकसित की जाएगी। वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर में आयोजित जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर



पहचान मिली है, जिससे नई पीढ़ी तक वीरों की गाथाएं पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि 17 नवंबर 1913 को राजस्थान-गुजरात सीमा पर स्थित मानगढ़ पहाड़ी पर संत गोविंद गुरु के नेतृत्व में हुए भील जनजातीय आंदोलन के दौरान ब्रिटिश सेना ने एकत्रित आदिवासियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसे मानगढ़ नरसंहार या आदिवासी जलियांवाला बाग कहा जाता है। इस घटना में लगभग 1,500 जनजातीय लोगों के शहीद होने का उल्लेख मिलता है। साथ ही कोमाराम भीम, अल्लूरी सीताराम राजू और रानी कमलापति के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि भोपाल रेलवे स्टेशन का नाम रानी कमलापति के नाम पर रखा जाना ऐतिहासिक विरासत का सम्मान है। कार्यक्रम के दौरान पद्मश्री सम्मानित डॉ. बुधरी ताती और डॉ. रामचंद्र गोडबोले को शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों और उपलब्धि हासिल करने वाले स्कूली विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।











खास खबर

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत

जगदलपुर। बस्तर क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर बिजली खंभे की सपोर्टिंग से जा टकराई। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना देउरगांव से मोंगरापाल जाने वाले मार्ग पर नगर पंचायत कार्यालय के सामने मोड़ पर हुई। मृतक की पहचान 40 वर्षीय गंगाधर कश्यप निवासी घाटधनोरा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, गंगाधर बाइक से अपने ससुराल चोलनार जा रहे थे। इसी दौरान नगर पंचायत कार्यालय के पास मोड़ पर बाइक से उनका नियंत्रण हट गया और बाइक सीधे बिजली खंभे की सपोर्टिंग से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह उछलकर सड़क किनारे जा गिरे और मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही बस्तर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंपा जाएगा। हादसे की खबर से परिवार में शोक का माहौल है। फ्लिहाल पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

एयरपोर्ट पर टैक्सी चालकों की मनमानी पर पुलिस सख्त

रायपुर। रायपुर के माना एयरपोर्ट पर टैक्सी चालकों के बीच सवारी बैठाने को लेकर विवाद और यात्रियों से ज्यादा किराया वसूलने की शिकायतों पर पुलिस ने सख्ती दिखाई है। रायपुर ग्रामीण पुलिस ने ओला, उबर, रैपिडो समेत अन्य टैक्सी ऑपरेटरों की बैठक लेकर यात्रियों से शालीन व्यवहार करने और निर्धारित किराया ही लेने के निर्देश दिए हैं। पुलिस ने चेतावनी दी है कि सवारी बैठाने या किराए को लेकर विवाद, दुर्व्यवहार और मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। रायपुर ग्रामीण एसपी के निर्देश पर एएसपी ने सीएसपी माना कार्यालय में टैक्सी ऑपरेटरों की बैठक ली। इसमें ओला, उबर, रैपिडो और अन्य टैक्सी सेवाओं से जुड़े संचालक शामिल हुए। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा प्राथमिकता है। चालक यात्रियों से सम्मानपूर्वक व्यवहार करें और शासन-प्रशासन द्वारा निर्धारित किराया ही लें। बुकिंग या सवारी बैठाने को लेकर किसी तरह का विवाद नहीं होना चाहिए। 17 नवंबर को माना एयरपोर्ट पर यात्री को बैठाने को लेकर दो टैक्सी चालकों के बीच विवाद हो गया था। पहले दोनों के बीच बहस हुई, फिर मारपीट शुरू हो गई। यात्रियों के सामने हुए हंगामे के बाद सीआईएसएफ जवानों ने मौके पर पहुंचकर दोनों चालकों को अलग किया। इससे पहले सितंबर 2024 में भी एयरपोर्ट के पार्किंग नंबर-1 के पास टैक्सी चालकों की मारपीट का वीडियो वायरल हुआ था।

शराब और चखने के साथ होटल में जुआ खेलते 5 लोग पकड़ाए, 18800 रुपए जब्त

कोरबा। कोरबा शहर के बीच स्थित जेबी होटल में जुआ खेलते 5 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, होटल के कमरे में शराब और चखने के साथ जुआ चल रहा था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से 18 हजार 800 रुपए जब्त किए। आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। कोतवाली थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने बताया कि, होटल में जुआ खेले जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने छापा मारा और पांच लोगों को पकड़ लिया। उनके पास से जुए की रकम 18 हजार 800 रुपए बरामद हुई। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों में संजय कुमार (40), निवसी तुलसी नगर रोडय तरुण मिश्रा (42), निवासी सीएसईबी, दीपेश जैन (38), निवासी अवध नगर निहारिका और सुनील कुमार (39), निवासी तुलसी नगर शामिल हैं।

ई-रिक्शा में क्यूआर कोड से मिलेगी चालक और वाहन की पूरी जानकारी, यात्रियों की सुरक्षा के लिए दुर्ग पुलिस की पहल

एसएसपी विजय अग्रवाल ने क्यूआर कोड स्टिकर लगाकर दिखाई हरी झंडी, एक सप्ताह में जिले के सभी ऑटो और ई-रिक्शा होंगे क्यूआर कोड से लैस

श्रीकंचनपथ न्यूज



दुर्ग। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं भरोसेमंद बनाने के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस ने एक अनूठी पहल शुरू की है। इसके तहत जिले में संचालित ऑटो एवं ई-रिक्शा में विशेष क्यूआर कोड स्टिकर लगाए जाएंगे तथा चालकों को डिजिटल पहचान पत्र (आईडी कार्ड) वितरित किए जाएंगे। क्यूआर कोड स्कैन करते ही यात्री संबंधित वाहन और चालक की सत्यापित जानकारी मोबाइल पर प्राप्त कर सकेंगे।

उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल के निर्देशन में 22 नवंबर 2026 को ई-रिक्शा डिजिटल क्यूआर कोड एवं पहचान पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर एसएसपी विजय अग्रवाल ने ऑटो एवं ई-रिक्शा में क्यूआर कोड स्टिकर लगाकर तथा हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया। उन्होंने बताया कि आगामी एक सप्ताह के भीतर जिले में संचालित सभी ऑटो एवं ई-रिक्शा में क्यूआर कोड स्टिकर लगाने के साथ चालकों को पहचान पत्र वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस डिजिटल व्यवस्था के तहत प्रत्येक पंजीकृत ई-रिक्शा को एक विशिष्ट क्यूआर कोड दिया जा रहा है। वाहन में लगे क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन करने पर यात्रियों को वाहन और उसके चालक की सत्यापित जानकारी मिल सकेगी। इससे यात्रियों को वाहन एवं चालक की पहचान करने में आसानी होगी। साथ ही किसी शिकायत, संदिग्ध गतिविधि अथवा आपातकालीन स्थिति में पुलिस तक सूचना पहुंचाने और संबंधित वाहन की पहचान करने में भी मदद मिलेगी।

पुलिस की इस पहल से विशेष रूप से महिला यात्रियों और बच्चों की सुरक्षा को मजबूती मिलने की उम्मीद है। क्यूआर कोड व्यवस्था से ऑटो एवं ई-रिक्शा संचालन में पारदर्शिता, विश्वसनीयता और जवाबदेही बढ़ेगी। इसके माध्यम से आपराधिक घटनाओं की रोकथाम तथा संदिग्ध गतिविधियों की पहचान में भी सहायता मिलेगी। यह कदम तकनीक आधारित स्मार्ट पुलिसिंग और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नशे के खिलाफ जागरूकता के लिए हेल्पलाइन स्टिकर भी लगाए: कार्यक्रम के दौरान दुर्ग पुलिस द्वारा नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को जनसहयोग से प्रभावी बनाने की दिशा में भी पहल की गई। एसएसपी विजय अग्रवाल ने ऑटो एवं ई-रिक्शा में नशे के विरुद्ध सूचना देने के लिए जारी हेल्पलाइन नंबर से संबंधित स्टिकर भी लगवाए। इसका उद्देश्य आम नागरिकों को नशे के कारोबार की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने के लिए प्रेरित करना है, ताकि नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके। इस पूरी डिजिटल व्यवस्था के तकनीकी संचालन एवं क्रियान्वयन में जनहित आर. फाउंडेशन की तकनीकी टीम तथा आरोग्यम हॉस्पिटल भिलाई का विशेष सहयोग मिल रहा है। कार्यक्रम में आरोग्यम हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. नवीन राम दारूका, जनरल मैनेजर सुमित घोषाल तथा ऑटो एवं ई-रिक्शा संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दुर्ग पुलिस की यह पहल यात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ पुलिस और आम नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में भी सहायक होगी। पुलिस का उद्देश्य जिले में सुरक्षित, पारदर्शी और जवाबदेह सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था विकसित करना है।

शादी के दबाव से परेशान बॉयफ्रेंड ने किया सुसाइड: पेट्रोल से खुद को लगाई आग, झूठे केस में फंसाने की देती थी धमकी, गर्लफ्रेंड अरेस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज



बिलासपुर । छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में गर्लफ्रेंड से शादी की बात को लेकर हुए विवाद के बाद बॉयफ्रेंड ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसे युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के 10 महीने बाद पुलिस ने उसकी गर्लफ्रेंड को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में पता चला कि युवती अपने बॉयफ्रेंड पर शादी करने का दबाव बना रही थी। शादी नहीं करने पर उसे फंसाने की धमकी भी देती थी। पुलिस के मुताबिक, इससे परेशान होकर युवक ने आत्महत्या कर ली थी। युवती के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। मामला कोनी थाना क्षेत्र का है।

दोनों के बीच अफेयर था

पुलिस के मुताबिक, बलरामपुर के रहने वाले विकास गुप्ता (22) रायपुर में प्राइवेट फर्म में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते थे। उनके पिता भटगांव में कॉन्स्टेबल पद पर पदस्थ हैं। सूरजपुर जिले के भटगांव की आकांक्षा सिदार (21) कोनी में रहकर नर्सिंग की पढ़ाई कर रही थी। सोशल मीडिया के जरिए दोनों की पहचान हुई थी। उनके बीच लंबे समय से अफेयर था।

शादी की बात पर होता था विवाद

जांच में पता चला है कि आकांक्षा, विकास पर शादी करने का दबाव बना रही थी। वह शादी नहीं करने पर उसे फंसाने की धमकी भी देती थी। इस बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था।

कमरे में खुद को लगाई आग

27 जनवरी 2026 को दोनों कोनी के एक होटल में कमरा लेकर ठहरे थे। इसी दौरान उनके बीच फिर शादी की बात को लेकर झगड़ा हो गया। बताया जा रहा है कि विवाद के बाद गुस्से में आकर विकास ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। घटना के समय आकांक्षा भी उसी कमरे में मौजूद थी।

इलाज के दौरान हुई मौत

घटना के बाद विकास को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए रायपुर ले जाया गया, जहां 1 फरवरी को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत के बाद कोनी पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की।

जांच के बाद प्रेमिका गिरफ्तार

जांच के दौरान पुलिस को ऐसे सबूत मिले, जिनसे पता चला कि आकांक्षा विकास को लगातार परेशान कर रही थी। पुलिस ने युवती के व्यवहार और घटना से जुड़े सबूतों के आधार पर उसे सुसाइड के लिए उकसाने का आरोपी माना। इसके बाद शनिवार (21 नवंबर) को उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

अवैध हथियार लेकर घूम रहे 3 युवक गिरफ्तार, दो चाकू और एक तलवार जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में अवैध हथियार लेकर घूमने और लोगों में डर फैलाने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। आजाद चौक और टिकरापारा पुलिस ने तीन अलग-अलग मामलों में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से दो चाकू और एक तलवार जब्त की गई है।

पुलिस ने तीनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत केस दर्ज किया है। आजाद चौक पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक अवैध चाकू लेकर घूम रहा है। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर कुलदीप निर्मलकर (24) को गिरफ्तार किया। वह टिकरापारा के छत्तीसगढ़ नगर का रहने वाला है। उसके कब्जे से चाकू जब्त किया गया। पुलिस ने उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 314/2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 में केस दर्ज किया है। टिकरापारा पुलिस क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रही थी। इस दौरान 22 नवंबर को पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में दो युवकों को गिरफ्तार किया।

मोहम्मद कौनेन (19): निवासी मदनी चौक, संजय नगर। उसके पास से एक चाकू जब्त किया गया। पुलिस ने अपराध क्रमांक 1064/2026 दर्ज किया है।

मोहम्मद अहमद (25): निवासी ख्वाजा गली, संजय नगर। उसके पास से एक तलवार जब्त की गई। पुलिस ने अपराध क्रमांक 1065/2026 दर्ज किया है।दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अवैध हथियार रखने और सार्वजनिक जगहों पर उनका प्रदर्शन कर लोगों में डर फैलाने वालों पर नजर रखी जा रही है।

यूट्यूब पर ज्यादा ब्याज का विज्ञापन दिखाकर 26.92 लाख की ठगी

सूरजपुर। यूट्यूब पर आकर्षक विज्ञापन दिखाकर निवेश पर अधिक ब्याज देने का लालच और फिर लाखों रुपये की ठगी। निवेश के नाम पर लोगों को जाल में फंसाने वाले इस कथित फर्जीवाड़े में सूरजपुर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को ओडिशा के कटक स्थित जेल से प्रोडक्शन वारंट पर सूरजपुर लाया गया है। मामले में 26 लाख 92 हजार रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान तुषार भांजों के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने यूट्यूब पर आकर्षक विज्ञापन के माध्यम से लोगों को निवेश पर अधिक ब्याज मिलने का भरोसा दिलाया। इसके बाद निवेश के नाम पर लोगों से रकम जमा कराकर ठगी की गई। इस पूरे मामले में आरोपी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर कथित तौर पर धोखाधड़ी को अंजाम दिया। जांच में सामने आया कि आरोपी लोगों के बीच अपनी विश्वसनीयता बनाने के लिए खुद को ट्रांसविजन ड्रीम मल्टीट्रेड लिमिटेड और हरित कृषि निधि लिमिटेड का संचालक (सीएमडी) बताता था। इन कंपनियों के नाम का इस्तेमाल कर उसने अधिक मुनाफे और ब्याज का लालच दिया और कई लोगों को अपने झांसे में लिया। बताया गया है कि आरोपी पहले से ही आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) के एक मामले में कटक जेल में बंद था। सूरजपुर पुलिस ने इस प्रकरण में उसकी संलिप्तता सामने आने के बाद प्रोडक्शन वारंट हासिल किया और उसे गिरफ्तार कर यहां लाया।

मैट्रिमोनियल ऐप पर दोस्ती कर शिक्षिका से 5.90 लाख ठगे

श्रीकंचनपथ न्यूज



दुर्ग। दुर्ग में मैट्रिमोनियल ऐप के जरिए एक विधवा शिक्षिका से दोस्ती कर शादी और रायपुर ट्रांसफर कराने का झांसा देकर 5.90 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। आरोपी ने खुद को सिंचाई विभाग का क्लर्क बताकर अधिकारियों तक पहुंच होने का दावा किया था। उसने ट्रांसफर के लिए 7 लाख रुपए खर्च होने की बात कही।

महिला ने बैंक से 6 लाख रुपए का पर्सनल लोन लिया और आरोपी को 90 हजार रुपए ऑनलाइन और 5 लाख रुपए नकद दिए। शिकायत के बाद दुर्ग कोतवाली पुलिस ने आरोपी अर्जुन कसेर (34) को ओडिशा से गिरफ्तार किया है। जांच में एक दूसरी महिला से सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर 1.50 लाख रुपए लेने का आरोप भी सामने आया है।

पुलिस के मुताबिक, सुषमा ठाकुर (36) दुर्ग के नयापारा की रहने वाली हैं। उनके पति का 24 अक्टूबर 2024 को निधन हो गया था। वह शासकीय प्राथमिक शाला नवागांव (पुस्दा), विकासखंड धमधा में 19 में पदस्थ है और सीईओ चौधरी नाम के शिक्षिका हैं। उनके साथ सास और दो नाबालिग बच्चे रहते हैं। 23 मई 2026 को मैट्रिमोनियल ऐप के जरिए उनकी पहचान अर्जुन कसेर से हुई। बातचीत के दौरान आरोपी ने खुद को तलाकशुदा और सिंचाई विभाग में क्लर्क बताया। उसने महिला के सामने शादी का प्रस्ताव रखा। महिला ने पारिवारिक जिम्मेदारियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का हवाला देकर तत्काल शादी से इनकार कर दिया। इसके बाद आरोपी ने महिला को रायपुर के आसपास ट्रांसफर कराने का भरोसा दिया। उसने बताया कि वह इंद्रावती भवन, सेक्टर-1 में पदस्थ है और सीईओ चौधरी नाम के अधिकारी से उसकी बात हो चुकी है।

ट्रांसफर के लिए 7 लाख रुपए खर्च होने की बात कही। आरोपी ने महिला से 6 लाख रुपए देने और एक लाख रुपए खुद मिलाने का प्रस्ताव रखा। साथ ही भरोसा दिलाया कि रायपुर ट्रांसफर होते ही वह उससे शादी कर साथ रहेगा। आरोपी की बातों में आकर महिला ने एसबीआई की मालवीय नगर शाखा, दुर्ग से 6 लाख रुपए का पर्सनल लोन लिया। इसमें से 90 हजार रुपए फोन-पे के जरिए आरोपी के बताए मोबाइल नंबर पर ट्रांसफर कर दिए। 30 मई 2026 को महिला 5 लाख रुपए लेकर दुर्ग से रायपुर पहुंची। आरोपी ने उसे तेलीबांधा थाना के पास बुलाया। वहां से वह महिला को एक रेस्टोरेंट ले गया और सुरक्षित जगह बताकर नकदी अपने पास रख ली।

इसके बाद आरोपी अधिकारियों को रकम देने की बात कहकर महिला की एक्टिवा लेकर चला गया। करीब एक घंटे बाद लौटकर उसने दावा किया कि सीईओ और शिक्षा विभाग के अधिकारियों को पैसे दे दिए हैं। जल्द ही ट्रांसफर हो जाएगा।

1 जून को महिला ने आरोपी से तलाक प्रमाण पत्र और सिंचाई विभाग में नौकरी का ज्वाइनिंग आदेश मांगा। इस पर उसने दस्तावेज पिता के पास होने और पारिवारिक परेशानी का हवाला देकर बात टाल दी।

संदेह होने पर महिला ने 4 जून को आरोपी से शादी और ट्रांसफर का भरोसा तोड़ने की बात कही। साथ ही अपने 5.90 लाख रुपए वापस मांगे। आरोप है कि आरोपी रकम लौटाने के नाम पर लगातार टालमटोल करता रहा। जांच में आरोपी का नाम स्मृति नगर चौकी के एक अन्य मामले में भी सामने आया है। आरोप है कि उसने एक महिला को कृषि विभाग में सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा दिया। इसके लिए खुद को सिंचाई विभाग का क्लर्क बताकर उससे 1.50 लाख रुपए लिए।

सुषमा ठाकुर की शिकायत पर दुर्ग कोतवाली पुलिस ने अपराध क्रमांक 336/2026, धारा 318(4) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी अर्जुन कसेर (34), निवासी सारंगढ़, छत्तीसगढ़ को ओडिशा से गिरफ्तार किया है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

भजन गाने जा रहे 3 लोगों की सड़क-हादसे में मौत: सक्ती में तेज रफ्तार बस ने बाइक को मारी टक्कर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती । छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में तेज रफ्तार यात्री बस ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों एक ही गांव के रहने वाले थे और सपोस में आयोजित रामनाम सप्ताह में भजन गाने जा रहे थे।



हादसा डभरा-चंद्रपुर मार्ग पर रविवार को हुआ। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। यात्री बस रायपुर से डभरा की ओर जा रही थी। बाइक सवार सक्ती से चंद्रपुर की ओर जा रहे थे, तभी आमने-सामने दोनों गाड़ियों की टक्कर हुई। टक्कर लगते ही तीनों उछलकर गिर पड़े।

जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह ग्राम दर्री के हरिशंकर चौहान (40), मोहरदास बैरागी (55) और शेतकुमार पटेल (62) एक ही बाइक पर सवार होकर सपोस में आयोजित रामनाम सप्ताह कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। वे वहां गायन प्रस्तुति देने वाले थे।

इसी दौरान छवारिपाली पेट्रोल पंप के पास रायपुर से डभरा की ओर जा रही मुस्कान यात्री बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों बाइक से उछलकर गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की सूचना मिलते ही डभरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों के शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। पुलिस बस ड्राइवर की भूमिका और हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

एक ही गांव के तीन लोगों की मौत से दर्री और आसपास के गांवों में शोक का माहौल है। तीनों धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घर से निकले थे, लेकिन रास्ते में हुए हादसे ने उनके परिवारों की खुशियां छीन लीं। डभरा थाना प्रभारी राजेश पटेल ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। तीनों मृतकों के शव का पंचनामा कर पीएम के लिए भेजा गया था।

पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। ड्राइवर घटनास्थल से फरार हो गया है। मामले की जांच की जा रही है।

नो एंट्री बनी मुसीबत: सड़क किनारे खड़े ट्रेलरों से हादसे का खतरा

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए लागू की गई भारी वाहनों की नो एंट्री व्यवस्था अब लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती नजर आ रही है। सीएसईबी चैक पर नो एंट्री के चलते भारी वाहन चालक शहर के व्यस्त मार्गों पर सड़क किनारे ट्रेलर और अन्य भारी वाहन खड़े कर रहे हैं। प्रियदर्शिनी इंदिरा स्टेडियम ट्रांसपोर्ट नगर से तुलसी नगर बिजली ऑफिस, राताखार होते हुए दर्री जाने वाले मार्ग पर भारी वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं। इससे सड़क संकरी हो गई है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

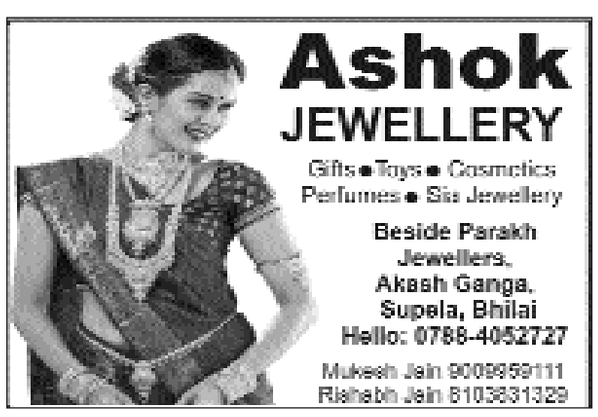





छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

उत्कृष्ट शिक्षा
मजबूत भविष्य



पीएम श्री
स्कूल

छत्तीसगढ़ में
341+
पीएम श्री
स्कूल



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
/ChhattisgarhCMO
/DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in

सुशासन से समृद्धि की ओर

RO- 49814/8

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950